04 - आबादी के आंकड़ों की छिपी कहानी

05 - आपकी कहानी का हीरो कौन है ?

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 4 नवंबर, 2024

06 - प्रशासन की अनदेखी से आहत 23 आदिवासी परिवारों ने मांगी इच्छामृत्यु

07- श्री सांवरिया सेठ मंदिर में श्री मार्कंडेय महापुराण का शुभारंभ हुआ, निकली...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-65 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

पहली बात

महाराष्ट्र में 'सियासी अंग-भंग' महती चुनावी मुद्दा

उमेश त्रिवेदी

संपादक

9893032101

महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा और इंडिया-गठबंधन की सियासी बिसात पर मोहरे सजने के बाद चुनाव प्रचार की इब्तिदा हो चुकी है। महाराष्ट्र में 20 नवम्बर को और झारखंड में 13 और 20 नवम्बर को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 23 नवम्बर 2024 को घोषित होंगे। महाराष्ट्र में 288 सीटों पर और झारखंड मे 81 सीटों पर मतदान होना है। इनके अलावा देश के 15 राज्यों की 48 रिक्त विधानसभा सीटें और 2 लोकसभा सीटों पर भी इन्ही तिथियों पर मतदान होना है, जिसमें वायनाड संसदीय क्षेत्र भी शरीक हैं, जहां कांग्रेस की प्रियंका गांधी चुनाव लड़ रही हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हासिल महती सफलता ने संसदीय चुनाव में 240 लोकसभा सीटों पर सिमटी-सहमी भाजपा की आक्रामकता को बहाल कर दिया है। नतीजतन मतदान के एक पखवाड़े पहले दोनों राज्यों में भाजपा ने मुकाबले को एकतरफा नहीं रहने दिया है। शायद इसीलिए जीत के बारे में आश्वस्त इंडिया गठबंधन की पेशानी पर पसीना महसूस होने लगा है।

हालांकि चुनाव दोनों राज्यों में होना है, लेकिन महाराष्ट्र के चुनाव का अपना सियासी वजूद है। यह चुनावी जंग देश की सियासत में सत्ता की नई इबारत लिखने वाली है। महाराष्ट्र के चुनाव-परिणामों का अपना अलग महत्व है। देश की व्यावसायिक राजधानी होने के नाते महाराष्ट्र सियासी पार्टियों की वित्तीय सेहत के हिसाब से काफी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों के नतीजे देश में सत्ता की नब्ज का उतार-चढ़ाव सुनिश्चित करते हैं। लोकसभा सीटों की संख्या के हिसाब से महाराष्ट्र उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नम्बर पर आता है।

पिछले आम चुनाव में महाराष्ट्र ने भाजपा को जबरदस्त अनपेक्षित राजनीतिक झटका दिया था। सन् 2024 के आम चुनाव में भाजपा को 2019 के आम चुनाव के मुकाबले 14 सीटें कम मिली थीं। 2019 की 23 सीटों के मुकाबले 2024 में भाजपा महज 9 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए यह बड़ा राजनीतिक नुकसान था। जाहिर है, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे भाजपा गठबंधन के लिए राजनीतिक नजरिए से काफी महत्वपूर्ण हैं। महाराष्ट्र की जीत केन्द्र में मोदी सरकार को ज्यादा मजबूती देगी। जबकि, हार केन्द्र में मोदी सरकार की प्रतिकूलताओं में भारी इजाफा करने वाली सिद्ध होगी। यह हार भाजपा में आंतरिक विद्वेष और विग्रह का सबब भी बन सकती है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा हर हाल में यह चुनाव जीतने के लिए लालायित हैं।

मौजूदा चुनाव में महाराष्ट्र के सियासी फलक का नजारा काफी दिलचस्प है। राजनेताओं के लिए राजनीति के रंगों को कैनवास में बांधना में मुश्किल सिद्ध हो रहा है। छह पार्टियों के दो गठबंधनो के बीच इस सियासी-जंग ने जज्बातों को जटिल और जहरीला बना दिया है। इस जंग में कांग्रेस और भाजपा का बहुत कुछ दांव पर लगा है, लेकिन उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी का तो अस्तित्व ही सवालिया हो चुका है। इसलिए उद्धव ठाकरे और शरद पवार के लिए इस चुनाव की भाव-भूमि उनके राजनीतिक डीएनए से भी जुड़ी है। इन परिस्थितियों ने चुनाव में इमोशनल एंगल जोड़ दिया है।

1990 में महाराष्ट्र में कांग्रेस-सरकार बनने के बाद बीते तीस सालों में 6 विधानसभा चुनाव में किसी भी एक पार्टी को कभी भी बहुमत नहीं मिला है। पिछले तीस सालों से महाराष्ट्र की नियति और उसके विकास की इबारत गठबंधन सरकारें ही लिखती आई हैं। दिलचस्प यह है कि महाराष्ट्र को लोगों को यह कबूल है। उन्होने हमेशा मिलाजुला जनादेश ही दिया है। लेकिन इस बार स्थितियां भिन्न हैं। महाराष्ट्र को इस मर्तबा कुछ अलग तरीके से सोचना और समझना होगा।

चुनाव यह फैसला करेगा कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार और उनके संघठनों को लेकर गौरवानुभूति की यह भाव-भूमि अखंड है अथवा खंडित हो चुकी है। जनता की अदालत में इस मर्तबा असली-नकली शिवसेना और एनसीपी का फैसला भी होना है। जहां शरद पवार के भतीजे अजित पवार अपने चाचा से विद्रोह करके एनसीपी को खंडित कर चुके हैं, वहीं बालासाहब ठाकरे के वफादार एकनाथ शिंदे की बगावत ने उनके बेटे उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में संचालित शिवसेना को तोड़ दिया है। इस विधानसभा चुनाव में एनसीपी और शिवसेना के राजनीतिक अंग-भंग पर जनादेश पर सबकी नजरें टिकी हैं।

गौरतलब है कि अजित ठाकरे के साथ एनसीपी का एक धड़ा और एकनाथ शिंदे की सदारत में शिवसेना के बागी नेता फिलवक्त भाजपा के साथ महाराष्ट्र में राज कर रहे हैं। जहां महाराष्ट्र के मिजाज में कांग्रेस और भाजपा का अपना स्थान है, वहीं ठाकरे और शरद पवार की जमीनी हकीकतों को लेकर महाराष्ट्र में अलग किस्म की गौरवानुभूति का भाव रहा है। एनसीपी और शिवसेना (उद्धव) कांग्रेस के साथ एमवीए गठबंधन के रूप में ताल ठोक रहा है, तो महायुति के रूप में अजित पवार की एनसीपी और शिंदे की शिवसेना भाजपा के साथ चुनाव के मैदान में खड़ी है।

भाजपा और कांग्रेस की सदारत में सेना बनाम सेना और पवार बनाम पवार के संघर्ष ने चुनाव को दिलचस्प मोड़ दे दिया है। लोकसभा चुनाव में सेना बनाम की इस लड़ाई में उद्धव ठाकरे की सेना को शिंदे की शिवसेना के बीच हार-जीत का फासला बड़ा नहीं था। शिवसेना (उद्धव) को नौ सीटे हासिल हुई थी, जबकि शिंदे गुट को सात सीटों पर जीत मिली थी। विधानसभा चुनाव की हार-जीत में बालासाहब ठाकरे की विरासत का असली फैसला होगा। पिछले लोकसभा चुनाव में पवार बनाम पवार के बीच चुनावी अदावत में अजित पवार बुरी तरह से परास्त हुए थे। लोकसभा चुनाव में शरद पवार की एनसीपी ने दस में से आठ सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि अजित पवार चार सीटों में से सिर्फ एक ही सीट बचा पाए थे। यहां तक उनकी खुद की पत्नी सुनेत्रा पवार शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले से हार गई थीं।

महाराष्ट्र में उद्धव-सरकार गिराने के बाद एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाकर बैक-फुट पर खेल रही भाजपा अब फ्रंट-फुट पर खेल रही है। सत्ता के सिंहासन पर विराजमान शिंदे और अजित पवार के राजनीतिक शस्त्रागार में उद्धव ठाकरे और शरद पवार के खिलाफ संसाधनों की कमी नही है। इसके अलावा उन्हें उस भाजपा की मदद भी हासिल है,जिसे विपरीत परिस्थितियों में चुनाव जीतने में महारत हासिल है। जाहिर है सहानुभूति की लहर पर सवार एमवीए के लिए राहें कतई आसान नहीं हैं।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

तुम आती हो जब
रस की धार
बहने लगती है
तुम आती हो जब
जीवन महकने
लगता है
तुम आती हो जब
अंधेरे में
उजाला फैल जाता है
तुम आती हो जब
आँखों में
नयी ज्योति
उभर आती है
तुम आती हो जब
प्राण गीत
गाने लगते हैं।

-दुर्गाप्रसाद झाला

आयुष्मान योजना का सभी बुजुर्गों को मिलेगा समुचित लाभ : सीएम डॉ. यादव

70 और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक भी होंगे लाभांवित, राज्य शासन ने जारी किये आदेश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच दिया जाना सुनिश्चित किया है। इस संबंध में आदेश भी कर दिये गये है। इससे वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेगी। बुर्जुगों को आर्थिक चिंताओं से मुक्त करते हुए एक स्वस्थ और सम्मान पूर्ण जीवन जीने में सहायता मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय के बंधन से मुक्त करते हुए स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने की मंजूरी दी है। 29 अक्टूबर 2024 को योजना का शुभारम्भ हो चुका है। योजना के लिये पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड एवं समग्र फैमिली आईडी की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को योजना में एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जा रहा है। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और जिनके परिवार पहले से ही योजना के तहत कवर हैं, उन्हें अपने लिए अतिरिक्त 5 लाख रूपये तक की वार्षिक टॉप-अप कवरेज मिलेगी, जिसे वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों (जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं) के साथ साझा नहीं करेंगे। योजना

में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के अन्य सभी वरिष्ठ नागरिकों को पारिवारिक आधार पर 5 लाख रूपये तक की वार्षिक कवरेज मिलेगा। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना,पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना,आयुष्मान सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स जैसी अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ उठा रहे है, वे अपनी मौजूदा योजना या इस योजना में से किसी एक को चुन सकते हैं, योजना चयन करने का विकल्प एक बार ही दिया जाएगा। योजना में स्पष्ट किया गया है कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वे वरिष्ठ नागरिक जो निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं या कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत आते हैं, वे भी इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे।

48 लाख बुजुर्गों को लाभ, इंदौर में सबसे ज्यादा, निवाड़ी में सबसे कम सीनियर सिटीजन; 1 हफ्ते में नए नाम जोड़ने के आदेश

मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ 48 लाख बुजुर्गों को मिलेगा। 70 साल से अधिक उम्र वाले इन बुजुर्गों की सबसे ज्यादा संख्या इंदौर में और सबसे कम निवाड़ी जिले में है। नवगठित मैहर, मऊगंज और पांढुर्ना में 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों की संख्या निवाड़ी से ज्यादा है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक हफ्ते में इस योजना के अंतर्गत नए बुजुर्गों के नाम जोड़ने के निर्देश कलेक्टरों को दिए हैं। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के उपचार के लिए शुरू की गई इस योजना के लिए प्रदेश के 1048 अस्पताल सूचीबद्ध किए गए हैं।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम जेएवाय) में 70 साल और उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग नागरिकों के लिए हर साल पांच लाख रुपए तक का सुरक्षा कवच देने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद राज्य सरकार ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि, योजना के लिए पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज उम्र के आधार पर किया जाएगा। इसके रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड और समग्र फैमिली आईडी की जरूरत होगी। जो पात्र वरिष्ठ नागरिक हैं, उन्हें एबी पीएम-जेएवाय के अंतर्गत एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जा रहा है। जो पहले से ही इस योजना के दायरे में कवर हैं, उन्हें अपने लिए पांच लाख रुपए तक की वार्षिक टॉप अप कवरेज मिलेगी।

यूपी चुनाव से पहले युवाओं को जोड़ रहा आरएसएस

मोहन भागवत का सामाजिक समरसता पर भी फोकस; ग्वालियर में 'हर घर दस्तक अभियान' पर चर्चा

ग्वालियर (नप्र)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पूरा फोकस यूपी विधानसभा चुनाव है। ग्वालियर में चल रहे विविध संगठन

प्रचारक प्रशिक्षण वर्ग के चौथे दिन चुनाव समेत युवा शक्ति और घर-घर तक पहुंचने के लिए 'हर घर दस्तक अभियान' पर चर्चा हुई। साथ ही घर-घर पहुंचकर सामाजिक समरसता का माहौल बनाने को कहा गया है। आरएसएस ने प्रचारकों को यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले युवाओं पर ध्यान केंद्रित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

पिछले लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को विपक्षी गठबंधन से कड़ी टक्कर मिली थी। 2027 में यहां विधानसभा चुनाव होने हैं। इसीलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सामाजिक पहलुओं के साथ राजनीतिक पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने सभी प्रचारकों के विचार भी जाने, साथ ही सामाजिक समरसता पर जोर दिया।

युवाओं के साथ काम करने का दिया मंत्र

आरएसएस सूत्रों के मुताबिक रविवार को प्रचारक वर्ग के सत्र की शुरुआत भारत माता की पूजा के साथ हुई। इसके बाद सभी प्रचारकों से युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने को कहा गया। यूपी में आगामी समय में राजनीतिक और सामाजिक माहौल पर विचार मांगे गए।

अब 10वीं पास भी बीएएमएस में ले सकेंगे एडमिशन

नोटिफिकेशन जारी, ऐसे स्टूडेंट्स के लिए अलग से होगी नीट-यूजी परीक्षा

भोपाल (नप्र)। आयुर्वेद डॉक्टर बनने के लिए अब 12वीं कक्षा पास करने की जरूरत नहीं होगी। दसवीं कक्षा पास करने के बाद बीएएमएस (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी) में स्टूडेंट्स दाखिला ले सकेंगे। बता दें 10वीं के बाद बीएएमएस में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए अलग से नीट यूजी परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आयुर्वेद गुरुकुलम के नाम से अलग होंगे संस्थान-विभागीय अफसरों की मानें तो 10वीं के बाद बीएएमएस की पढ़ाई कराने वाले इस पाठ्यक्रम के लिए हर राज्य में एक-दो संस्थान ही पात्र होंगे। ये संस्थान आयुर्वेद गुरुकुलम के नाम से जाने जाएंगे। मौजूदा आयुर्वेद संस्थानों को आयुर्वेद गुरुकुलम में या आयुर्वेद गुरुकुलम को अन्य संस्थानों में परिवर्तित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। स्टूडेंट्स को यहां रहकर पढ़ाई करनी होगी। इनका अस्पताल भी अलग से होगा। यह पाठ्यक्रम साढ़े सात साल का होगा। हर साल शिक्षण सत्र अक्टूबर से शुरू होगा।

एनसीआईएसएम ने जारी किया नोटिफिकेशन-भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआइएसएम) ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। 2025- 26 के सत्र से एडमिशन शुरू हो जाएंगे।

झारखंड चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी किया अपना संकल्प पत्र

महिलाओं को 2100 रुपए महीने और दो मुफ्त सिलेंडर

रांची (एजेंसी)। बीजेपी ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। बीजेपी के घोषणा पत्र का नाम संकल्प पत्र है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीजेपी के संकल्प पत्र को जारी किया। अमित शाह ने संकल्प पत्र जारी करने के दौरान कहा कि बीजेपी जो कहती है, वह करती है। भाजपा अपने वादों को पूरा करती है। बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में भूमि, रोटी और बेटी की सुरक्षा का वादा किया है। बीजेपी ने झारखंड में महिलाओं के लिए 'गोगो दीदी योजना' शुरू करने की बात कही है। सरकार बनने पर हर महीने की 11 तारीख को महिलाओं को 2100 रुपये सरकार बनने पर मिलेगा। वहीं दीपावली और रक्षाबंधन पर एक-एक गैस सिलेंडर मुफ्त मिलेगा और 500 रुपये की कीमत पर गैस सिलेंडर दिया जाएगा। भाजपा ने झारखंड में 5 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन करने की बात कही है। वहीं 3 लाख सरकारी पदों पर निष्पक्ष नौकरी देगी।

कुमारी सैलजा को बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी

वेणुगोपाल की जगह कांग्रेस में संगठन महासचिव बन सकती हैं

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कद कमजोर पड़ते दिखाई दे रहा है। कुमारी सैलजा के समर्थक भी लगातार हुड्डा ग्रुप पर हार का ठीकरा फोड़ रहा है। इसके बाद कांग्रेस हाईकमान अपना हर कदम फूंक फूंक कर रख रहा है। महाराष्ट्र व झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस बड़ा बदलाव करने के मूड में नजर आ रही है। सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा को कांग्रेस बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। चर्चाएं है कि उन्हें राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बनाया जा सकता है। अभी तक यह जिम्मेदारी केसी वेणुगोपाल संभाल रहे हैं।

शहडोल में मालगाड़ी के 4 डिब्बे पटरी से उतरे, बड़ा हादसा टला, कई ट्रेनें हुई प्रभावित

शहडोल (नप्र)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रविवार की शाम रेलवे हादसा हो गया। इसमें गिट्टी लोड बीओबी मालगाड़ी के 4 डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरने के कारण रेलवे ट्राफिक प्रभावित हुआ है। कई ट्रेनें प्रभावित हुई है। दरअसल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के शहडोल ट्रैक पोंडा नाला के पास मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके कारण अप लाइन सहित थर्ड लाइन प्रभावित हुई है। इसके चलते बिलासपुर से चलकर कटनी की ओर जाने वाली सभी ट्रेनें प्रभावित हुई है। हादसे के चलते नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन बुढार स्टेशन में 2 घंटे से खड़ी है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30 °c
न्यूनतम 20°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 4 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

2025 में देश की जनसंख्या 146 करोड़ होने की संभावना

- राष्ट्रीय जनगणना अगले साल शुरू होकर 2026 की शुरुआत में खत्म होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.9 फीसदी रहेगी। 2025 में भारत की जनसंख्या 146 करोड़ होने की संभावना है। संयुक्त राष्ट्र सोशल-इकोनॉमिक एजेंसी ने अप्रैल 2023 में भारत की आबादी चीन के बराबर 142 करोड़ होने या इससे ज्यादा होने का अनुमान जताया था। एजेंसी के मुताबिक भारत में 2035 तक उत्पादकता में इजाफा होगा। इसका कारण है कि गैरकामकाजी आबादी (15 साल से कम और 64 से अधिक) की कामकाजी आबादी (15 से 64 साल) पर निर्भरता अगले 11 साल तक लगातार घटने के आसार हैं। नेशनल सेंसस यानी राष्ट्रीय जनगणना अगले साल 2025 से शुरू होगी।

मॉर्डन डेटा क्रैक नहीं कर पा रहीं सरकारी जांच एजेंसियां

- केंद्र सरकार को डिजिटल फॉरेंसिक सर्विस प्रोवाइडर्स की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार डिजिटल फॉरेंसिक सर्विस प्रोवाइडर्स तलाश रही है। ऐसे विशेषज्ञों को ढूंढा जा रहा है जो पासवर्ड बाइपास कर मोबाइल का डेटा पाने में सक्षम हों। साथ ही वॉट्सऐप-टेलीग्राम जैसी मैसेज सर्विस के एन्क्रिप्टेड मैसेज रीड कर सकें। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि अल्ट्रा मॉर्डन मोबाइल हैंडसैट, लैपटॉप और क्लाउड में छिपा डेटा क्रैक करना और मैसेज के एन्क्रिप्शन समझना जांच एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इन सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए कंपटिशन कमीशन ऑफ इंडिया के जरिए टेंडर निकाला गया है। मांग की गई है कि डिजिटल फॉरेंसिक सर्विस प्रोवाइडर के पास एक्सपर्ट्स की बड़ी टीम होनी चाहिए। जिसमें कम से कम 15 प्रोफेशनल्स हों। विदेशी कंपनियों की बात करें तो इजराइल की सेलब्राइट मोबाइल पिन, पासवर्ड बाइपास कर सकती है। रूस की कंपनी ऑक्सीजेन का सॉफ्टवेयर डिटेक्टिव भी एन्क्रिप्शन तोड़ सकता है। तीन नए कानूनों के बाद इनकी भूमिका अहम हो गई है।

हाथ में भाला-त्रिशूल, घोड़े पर तलवार लहराते संत

महाकुंभ 2025: प्रयागराज में इस अंदाज में संतों ने किया प्रवेश, देखते रह गए लोग

- माथे पर भभूत, घोड़े की सवारी, गाड़ी पर ढोल-नगाड़े रहे आकर्षण का केन्द्र

प्रयागराज (एजेंसी)। हाथ में भाला-त्रिशूल और माथे पर भभूत। गाड़ी पर ढोल-नगाड़े। घोड़े पर तलवार लहराते संत। कुछ इस अंदाज में महाकुंभ के लिए जूना अखाड़े के साथ ही किन्नर अखाड़े ने प्रयागराज में प्रवेश किया। अब साधु-संत संगम की रेती पर जप-तप करेंगे। संतों की अगवानी करने के लिए भारी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े रहे। जगह-जगह फूल बरसाकर स्वागत किया। लोगों ने किन्नर अखाड़े के संतों के साथ सेल्फी ली। आरती भी उतारी। इतना ही नहीं, अफसरों ने भी साधु-संतों का माला पहनकर स्वागत किया। किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने कहा- दिवाली और छठ की वजह से किन्नर अखाड़े के कुछ सदस्य अभी नहीं पहुंच पाए हैं। धीरे-धीरे वो भी पहुंचेंगे। आज हम लोग महामंडलेश्वर के साथ नगर प्रवेश कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही अखाड़े के साधु-संत शहर के बाहर अंदावा के पास स्थित एक आश्रम आ पहुंचे थे। यहां धीरे-धीरे इकट्ठा हुए। अब आज इनका नगर प्रवेश हुआ। श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता और दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिंदू यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया- महाकुंभ में देश-विदेश से लाखों संत और करोड़ों भक्त पहुंचेंगे। महामंडलेश्वर महेंद्र नंद गिरी ने बताया- महाकुंभ महापर्व के दौरान किसी प्रकार का कोई विघ्न ना आए। किसी को कोई परेशानी ना हो। इसके लिए आज यानी रविवार को ही श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़े की ओर से शनिदेव, यमुना और धर्मराज का पूजन किया गया। नगर प्रवेश यात्रा अंदावा के रामपुर से शुरू हुई।

मनरेगा में हुआ 'खेला'! करोड़ों का लगा पलीता

मंत्रालय की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, दर्ज हुए कई केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की आंतरिक लेखा परीक्षा शाखा की हालिया रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में करोड़ों रुपए के नुकसान की बात सामने आई है। इसमें तमिलनाडु, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कई जिलों में कुल 35.37 करोड़ रुपए के वित्तीय हानि का खुलासा किया गया है। अकेले तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में 34.02 करोड़ रुपए, राजस्थान के नागौर में 1.09 करोड़ रुपए, और मध्य प्रदेश के मुरैना में 26 लाख रुपए का नुकसान बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह निष्कर्ष 2023-24 की वार्षिक प्रदर्शन लेखा समीक्षा का हिस्सा है, जो ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक कार्यालय द्वारा साझा की गई है। इस अवधि में आईएडब्ल्यू ने पूरे देश में 92 ग्रामीण विकास कार्यों का ऑडिट किया। इन कार्यों में एमजी-एनआरईजीएस, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शामिल हैं। मणिपुर के फेरजावल जिले में पीएमएवाई-जी के तहत 5.20 लाख रुपए की वित्तीय हानि पाई गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि आईएडब्ल्यू ने गुजरात, सिक्किम, मणिपुर, ओडिशा, केरल, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार में कई कार्यों में अनधिकृत और गैरजरूरी खर्चों के केस दर्ज किए हैं। इन राज्यों में ऐसे बेकार खर्च का कुल मूल्य 15.20 करोड़ रुपए बताया गया है। इस प्रकार के व्यय को योजनाओं के उद्देश्यों के विरुद्ध माना गया है।

विदेश मंत्री ने कहा-मल्टीपावर दुनिया में मित्रता अकेली नहीं रही

दुनिया के कुछ देश दूसरों की तुलना में ज्यादा जटिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि नई दिल्ली खुद को वैश्विक मित्र के रूप में स्थापित करते हुए अधिक से अधिक देशों के साथ मित्रता करना चाहती है। भारत की 'विश्वमित्र' स्थिति का मोटिव दुनिया भर में मित्रता विकसित करना है। आज की उभरते मल्टीपावर दुनिया में मित्रता अकेली नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि कुछ वैश्विक पार्टनर (देश) दुनिया के दूसरे पार्टनर्स की तुलना में ज्यादा जटिल हो सकते हैं, क्योंकि वे हमेशा म्यूचुअल रिस्पेक्ट के कल्चर या डिप्लोमेटिक शिष्टाचार के लोकाचार को शेयर नहीं कर सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि एक राष्ट्र जिसे स्वतंत्रता माना जाता है, उसे दूसरे देश के हस्तक्षेप के रूप में देखा जा सकता है। संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के बारे में संवेदनशीलता इंटरनेशनल पार्टनर्स के आंकलन में जरूरी बनी हुई है। विदेश मंत्री ने ये बातें दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में कही। वे यहां लेखक श्रीराम चौलिया की किताब 'फ्रेंड्स-इंडियाज क्लोजेस्ट स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स' के विमोचन पर पहुंचे थे। एक के लिए स्वतंत्रता है, वह

दूसरे के लिए हस्तक्षेप जयशंकर ने कहा, हमने समय-समय पर अपने घरेलू मुद्दों पर टिप्पणियां देखी हैं। हालांकि, दूसरे पक्ष (देश) को शायद ही कभी वही शिष्टाचार दिया जाता है। जो एक के लिए स्वतंत्रता है, वह दूसरे के लिए हस्तक्षेप बन सकता है। तथ्य ये है कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता जैसी संवेदनशीलताएं हमेशा भागीदारों (पार्टनर्स) के मूल्यांकन में एक वजह होगी। भारत विश्वमित्र, रूढ़िवादी सभ्यता नहीं उन्होंने कहा कि नई दिल्ली खुद को वैश्विक मित्र के रूप में स्थापित करते हुए अधिक से अधिक देशों से मित्रता करना चाहती है।

बेटे ने पिता को जिंदा जलाया, गंभीर

बैरसिया में जमीनी विवाद के चलते दिया वारदात को अंजाम

भोपाल (नप्र)। बरासया इलाक में रहन वाले एक किसान को उसके ही बेटे ने जिंदा जला दिया। 70 प्रतिशत जलने के कारण किसान की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। आरोपी बेटे की तलाश की जा रही है। वारदात के बाद वह फरार है।

पुलिस की शुरुआती जांच में पिता-पुत्र के बीच जमीन के एक टुकड़े को लेकर पुराना विवाद होने की बात सामने आई है। घटना के समय झुलसा बुजुर्ग शराब के नशे में था।

थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि करण कुशवाह (70) अर्जुनखेड़ी में रहते हैं। वह गांव में ही स्वयं की जमीन पर खेती किसानी करते हैं। जमीन के एक एकड़ के टुकड़े को उनका बड़ा बेटा भवानी अपने नाम कराना चाहता था। जबकि पिता राजी नहीं थे, इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद है। शनिवार की रात को पिता नशे की हालत में घर पहुंचे। वहां बेटे का उनसे विवाद हो गया। बेटे ने पिता को एक कमरे में बंद कर कमरे में आग लगा दी। जिससे बुजुर्ग बुरी तरह से झुलस गया। आग देख पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने आग को बुझाया और बुजुर्ग को अस्पताल पहुचाया। जहां निजी अस्पताल में उसका उपचार जारी है।

पत्नी ने नाबालिग के हाथ पकड़े, पति ने की छेड़खानी

पीड़ित को पुकारती है सौतन; भोपाल में डरी-सहमी छात्रा ने स्कूल जाना छोड़ा

भोपाल। भोपाल में 16 साल की छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाला 50 साल का अधेड़ एक साल से पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। उसकी गंदी हरकतों में पत्नी भी उसका साथ देती थी। वह पीड़ित छात्रा को सौतन कहकर पुकारती है। डरी-सहमी छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। मामला सूखी-सेवनिया इलाके का है। शनिवार को उसने अपनी दीदी को जानकारी दी। जिसके बाद रात में छात्रा ने परिजन के साथ थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रविवार शाम को आरोपी दंपती को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने पति - पत्नी दोनों के खिलाफ छेड़खानी और पॉक्सो में केस दर्ज किया है।

यूपी सीएम को जान से मारने की धमकी देने वाली अरेस्ट

मुंबई (एजेंसी)। इस वक्त की सबसे बड़ी और हैरान करने वाली खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी दी गई है कि वह 10 दिन के भीतर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे अन्यथा उन्हें भी बाबा सिद्दीकी की तरह मार दिया जाएगा। यह मैसेज एक अज्ञात नंबर से मुंबई के ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम को भेजा गया। इस पर मुंबई पुलिस ने तेजी दिखाते हुए सीएम योगी को धमकी देने के आरोप में एक युवती को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि आरोपी युवती की पहचान फातिमा खान (24) के रूप में की गई है। वह अपने परिवार के साथ महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर इलाके में रहती है। पुलिस ने बताया कि आरोपी छात्रा फातिमा खान ने सूचना प्रौद्योगिकी में बीएससी की है। अधिकारी ने बताया कि उसके पिता का लकड़ी का कारोबार है। पुलिस ने बताया कि युवती पढ़ी-लिखी है लेकिन मानसिक रूप से अस्थिर है।

नवीन भवन का निर्माण तय समय-सीमा में पूरा करें

जिला अस्पताल को श्रेष्ठ उपचार का केन्द्र बनाएं : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को जिला चिकित्सालय रीवा के सभागार में अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल में उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं उपलब्ध हैं। नए ओपीडी भवन का निर्माण पूरा होने के बाद सुविधाओं में और वृद्धि होगी। अस्पताल की सुविधाओं का पूरा उपयोग करके श्रेष्ठ उपचार का केन्द्र बनाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन शासन के निर्देशों के अनुरूप 70 साल से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। इससे बुजुर्ग रोगियों को हर साल पाँच लाख रुपए के उपचार की सुविधा मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में दो चरणों में स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाए गए। इनमें चिन्हित गंभीर रोगियों के उपचार का लगातार फालोअप करें। प्रत्येक चिन्हित रोगी को उपचार की पूरी सुविधा दें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का चिन्हांकन करने के लिए जिले में अभियान चलाएं। ऑपरेशन योग्य बच्चों को राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत ऑपरेशन की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने संचारी रोगों के नियंत्रण तथा सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की उपचार सुविधाएं बेहतर करने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टर्स सहित चिकित्सा-कर्मियों के पद बड़ी संख्या में भरे जा रहे हैं।

भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन लद्दाख में शुरू

मंगल ग्रह और चंद्रमा जैसे वातावरण में होगा यह परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन लद्दाख के लेह से शुरू हो गया है। इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने इस मिशन के तहत अंतरग्रहीय आवास में जीवन का अनुभव करना शुरू किया है, ताकि भविष्य में चंद्रमा पर मानव भेजने की योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा सके। एनालॉग मिशन का मकसद पृथ्वी पर चंद्रमा और मंगल जैसे वातावरण में जीवन की चुनौतियों का सामना करना और उससे निपटने का अभ्यास करना है। एनालॉग स्पेस मिशन ऐसे परीक्षण हैं जो पृथ्वी पर उन स्थानों पर किए जाते हैं, जिनकी स्थिति चरम अंतरिक्ष वातावरण से भौतिक रूप से काफी मिलती-जुलती है। ये परीक्षण अंतरिक्ष उड़ान अनुसंधान में आने वाली दिक्कतों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लद्दाख को इस मिशन के लिए खासतौर पर इसलिए चुना गया है क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति ठंडी, शुष्क जलवायु, बंजर भूमि और ऊंचाई मंगल और चंद्रमा की स्थितियों से काफी मेल खाती है। इस वातावरण में रहने की तकनीकों को टेस्ट किया जा सकता है।

कई संगठनों के सहयोग से शुरू किया मिशन

इसरो ने इस मिशन को कई संगठनों के सहयोग से शुरू किया है, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र, एएकेए स्पेस स्टूडियो, लद्दाख विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद शामिल हैं। अक्टूबर के मध्य में शुरू किया गया यह मिशन एक महीने तक चलेगा। इस दौरान मिशन में एक कॉम्पैक्ट, फुलाए जाने योग्य आवास हब-1 का परीक्षण किया जाएगा, जिसमें हाइड्रोपोनिक्स फार्म, रसोई और अन्य आवश्यक सुविधाएं हैं। इसरो ने इसे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया। लद्दाख की ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर समुद्र तल के मुकाबले काफी कम है। यहां का ऑक्सीजन स्तर समुद्र तल का सिर्फ 40 फीसदी है, जो मंगल जैसी स्थितियों का अनुकरण करने में मदद करता है। इस माहौल में एएकेए स्पेस स्टूडियो की टीम जीवन समर्थन प्रणालियों और पर्यावरणीय सूट का परीक्षण कर रही है, जो भविष्य में अंतरग्रहीय मिशनों के लिए अहम होगा।

दुकानदार ने पत्नी के सामने अंकल कहा, कस्टमर ने पीटा

साथियों के साथ डंडे और बेल्ट से की मारपीट; कहा था- मुझे ऐसा-वैसा मत समझो

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जाटखेड़ी में कस्टमर की पत्नी के सामने उसे अंकल बोलना दुकानदार को महंगा पड़ गया। अंकल बोलने से गुस्साए युवक ने दुकानदार को पीट दिया। शास्त्री फैशन शॉप के संचालक विशाल शास्त्री के साथ मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। कस्टमर ने अपने आधा दर्जन साथियों के साथ

दुकान में घुसकर विशाल को बाहर निकाला। इसके बाद सरेराह उसे डंडे और बेल्ट से पीटने लगे। बीच बचाव करने आई एक महिला पर भी हमलावरों ने बेल्ट से वार किया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। मामले में मिसरोद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

पूर्व पीएम लालबहादुर शास्त्री की मूर्ति पर जूते रखे

कांग्रेस नेताओं ने दूध से नहलाया; बोले- प्रशासन- सरकार सो रही, धिक्कार है, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हॉल) के पास पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की मूर्ति पर किसी ने जूते रख दिए। जूते मूर्ति के दोनों कंधों पर रखे गए थे।

शनिवार शाम इसकी जानकारी लगते ही कांग्रेस नेता जमा हो गए। उन्होंने विरोध में नारेबाजी की। कहा कि जिसने पाकिस्तान को धूल चटाई, जिसने जय जवान-जय किसान का नारा दिया, आज उनकी मूर्ति पर जूतों की माला पहनाई गई। प्रशासन और सरकार सो रही है। धिक्कार है। कांग्रेस ने दोषियों पर सख्त एक्शन की मांग की। पूर्व पीएम की मूर्ति को दूध से नहलाया। पुलिस ने देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घोर निंदनीय है: पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव

भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हॉल) के पास पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की मूर्ति पर जूतों की माला पहनाना घोर निंदनीय और अपमानजनक है। मेरी सरकार से मांग है कि दोषियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए।

कैसे कोई जूते चढ़ा गया, शर्म की बात है

कांग्रेस के प्रदेश सचिव अब्दुल नफीस, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अंकित दुबे जानकारी मिलने पर गौरव अवस्थी, ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत यादव और पार्षदों के साथ मौके पर पहुंचे। सबसे पहले पूर्व पीएम की मूर्ति पर रखे जूतों को हटाया। इसके बाद पानी और दूधर से इसकी सफाई की। नारेबाजी कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हम यहां से निकल रहे थे, तभी नजर पड़ी। इससे दिल आहत है। शास्त्री जी किसी एक के नहीं, पूरे देश के हैं। शास्त्री जी का सम्मान करना, उनके सम्मान की मर्यादा बनाए रखना, इस देश के हर नागरिक का कर्तव्य है।

कमिश्नर कार्यालय के सामने उनकी मूर्ति पर कैसे कोई जूते चढ़ा गया, शर्म की बात है। हम मांग करते हैं कि सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग निकलवाकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

पूर्व पीएम की मूर्ति पर जूते रखने का आरोपी गिरफ्तार

पूर्व पीएम की मूर्ति पर जूते रखने के मामले में अरेरा हिल्स थाना पुलिस ने आरोपी करन बैरागी (35) को गिरफ्तार कर लिया है। वह बिड़ला मंदिर के सामने सुलभ कॉम्प्लेक्स के पास का रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष (जहांगीराबाद) यशवंत यादव ने शिकायत की थी। बताया था कि शाम 4 बजे किसी शरारती तत्व ने पूर्व पीएम की मूर्ति पर जूते रख दिए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास जांच शुरू की। नया कंट्रोल रूम, नगर निगम पार्क के पास एक युवक बिना जूते मिला। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म स्वीकार किया।

भोपाल में फ्लोर मिल संचालक की संदिग्ध मौत

बैचलर पार्टी के बाद दोस्त के साथ लाउंज के एक रूम में सोया था, सुबह मृत मिला

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रातीबढ़ इलाके में स्थित पीपी लाउंज के एक रूम में फ्लोर मील संचालक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। शनिवार की देर रात तक उसने लाउंज में दोस्तों के साथ पार्टी की थी। रविवार की सुबह इसी लाउंज के एक कमरे में उसका शव मिला है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्ट्म के बाद रविवार की दोपहर को शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

एसआई मूलचंद मीणा ने बताया कि, सुमित काबूलाशी (29) पुत्र धीरेंद्र काबूलाशी निवासी वैशाली नगर में रहते थे। वह मंडीदीप में सुमित इंडस्ट्रीज नाम से फ्लोर मील का संचालन करते थे। उनके दो दोस्तों की आने वाले दिनों में शादी होने वाली है। इसी के चलते दोस्तों ने शादी से पहले बैचलर पार्टी पीपी

लाउंज साक्षी ढाबे के पास की थी।

रात 2:30 बजे तक करीब 10-12 दोस्तों ने पार्टी की। इसके बाद सभी वहीं बने अलग-अलग कमरों में सो गए। सुमित अपने अंकित नाम के एक दोस्त के साथ रूम में सोया था। अंकित ने सुबह करीब 7 बजे उठने के बाद सुमित को जगाने का प्रयास किया।

उसके शरीर में किसी प्रकार की हलचल नहीं थी। उसने अन्य दोस्तों को मामले की सूचना दी। सभी उसे लेकर एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के सही कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट मिलने पर ही हो सकेगा।

सुमित के साथ रूम में ठहरे अनिकेत ने बताया-सुमित के साथ उसी के रूम में ठहरे अनिकेत ने बताया कि सभी दोस्तों ने भोपाल में मुलाकात कर बैचलर पार्टी का आयोजन किया था। देर रात तक पार्टी की, तब तक सुमित एकदम ठीक था। उसने किसी प्रकार की कोई परेशानी का जिक्र नहीं किया। तबीयत भी ठीक नजर आ रही थी। सुबह उठकर देखा तो उसके शरीर में किसी प्रकार की हलचल नहीं थी। काफी आवाजें देने और हिलाने पर भी उसने कोई जवाब नहीं दिया। तब साथियों को इसकी सूचना दी। उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत की पुष्टि हुई।

अप्रैल महीने में हुई थी शादी-सुमित की शादी इसी साल अप्रैल महीने में हुई थी। तीन बहनों में वह इकलौता भाई थी। अपने बल पर उसने बिजनेस स्टार्ट किया और इसमें सक्सेस भी मिल रही थी। इकलौते बेटे की मौत की खबर के बाद पिता की तबीयत भी बिगड़ गई। वह बेटे के शव को देखने मर्चुरी तक नहीं आए। पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिता सेल टैक्स डिपार्टमेंट के रिटायर्ड कर्मचारी हैं-सुमित के पिता धीरेंद्र सेल टैक्स डिपार्टमेंट से भृत्य के पद से रिटायर्ड हैं। दो साल पहले ही उनका रिटायरमेंट हुआ है। उनका बेटा सुमित बेहद होनहार था। एमबीए की पढ़ाई के बाद उसने स्वयं बिजनेस की शुरुआत की थी।

ग्वालियर मेले की तैयारियां जोर-शोर से शुरू

25 दिसम्बर से 25 फरवरी तक लगेगा ऐतिहासिक ग्वालियर मेला

भोपाल (नप्र)। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला की तैयारियाँ जोर-शोर से जारी हैं। संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री मेले की तैयारियों पर स्वयं नजर रख रहे हैं। संभाग आयुक्त के निर्देश पर मेला की व्यवस्थाओं से संबंधित विभिन्न कार्यों की निविदाएँ विधिवत आमंत्रित की जा चुकी हैं। दैनिक समाचार पत्रों में गत 30 अक्टूबर को इन निविदाओं का प्रकाशन भी हो चुका है। इस बार ऐतिहासिक ग्वालियर मेले का आयोजन 25 दिसम्बर से 25 फरवरी तक होगा। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाइन निविदाएँ 11 नवम्बर को दोपहर 12 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं।

भोपाल में गोर्वधन पूजा के दिन पाड़ों की लड़ाई

पशु प्रेमियों ने पुलिस से शिकायत की, बोले- यह अपराध है

भोपाल (नप्र)। भोपाल के नरेला शंकरी मैदान में गोर्वधन पूजा के दिन पाड़ों की लड़ाई कराई गई। पशु प्रेमियों ने मामले की शिकायत डीसीपी संजय अग्रवाल से कर दी है।इसके बाद एक्शन में आई अयोध्या नगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पशु प्रेमियों ने पाड़ों की लड़ाई कराने को गैर कानूनी बताया है। पशुओं को लड़ाने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

पशु प्रेमी स्वाती गौरव ने बताया कि अयोध्या नगर के नरेला शंकरी मैदान में शनिवार दोपहर पाड़ों को जबरन लड़ाने की जानकारी मिली थी। इस पर तत्काल डीसीपी संजय अग्रवाल को इसकी सूचना दी।

म.प्र. में पचमढ़ी सबसे ठंडा, टेम्प्रेचर 13.4 डिग्री

24 शहरों में रात का पारा 20 डिग्री से नीचे, दूसरे हफ्ते तेज होगा ठंड का असर

भोपाल (नप्र)। नवंबर शुरू होते ही मध्यप्रदेश के शहरों की रातें ठंडी होने लगी हैं। एमपी का हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा है। यहां लगातार दो दिन से तापमान 12 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच है। मंडला, राजगढ़, उमरिया, रीवा, बैतूल और मलाजखंड में भी न्यूनतम तापमान में गिरावट आ गई है। दिन में भी पारा लुढ़कने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, 15 नवंबर से ठंड का असर तेज होगा। पिछले 10 साल से यही ट्रेंड है। हालांकि, दिन में गर्मी का असर दूसरे सप्ताह तक बना रहेगा। इसके बाद पारा 30 डिग्री से नीचे पहुंच जाएगा। उत्तरी हवाओं की वजह से तापमान में गिरावट आएगी।

मंडला में 15.6 डिग्री टेम्प्रेचर-भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत प्रदेश के 24 शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चल रहा है। शुक्रवार-शनिवार की रात में पचमढ़ी में टेम्प्रेचर 13.4 डिग्री, मंडला में 15.6 डिग्री, राजगढ़-उमरिया में 16.4 डिग्री, रीवा में 16.6 डिग्री, बैतूल-मलाजखंड में 16.8 डिग्री रहा।

कमलनाथ बोले-2023 में झूठे वादे कर भाजपा सत्ता में आई

बुधनी-विजयपुर उपचुनाव में सरकार को नींद से जगाने का मौका

भोपाल (नप्र)। बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी। दिवाली के बाद से कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों के नेता प्रचार में ताकत लगा रहे हैं। पूर्व सीएम कमलनाथ ने ट्वीट कर बीजेपी पर हमला बोला है।

कमलनाथ ने एक्स पर लिखा- मध्यप्रदेश के सीहोर जिले की बुदनी और श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के ये दोनों ही उपचुनाव जनता को सरकार के 10 महीनों के कामकाज की समीक्षा करने और सरकार को कर्तव्यबोध कराने का अवसर देते हैं। ये उपचुनाव जनता को अपने वोट की ताकत से सरकार की नींद खोलने और उन्हें आईना देखाने का मौका देते हैं।

बीजेपी झूठे वादे कर सत्ता में आई

कमलनाथ ने लिखा- मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में झूठे वादे कर सत्ता में आई बीजेपी सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह से विफल रही है। लाड़ली बहना योजना की राशि 3000 रुपए प्रतिमाह करने का वादा भी झूठा साबित हो चुका है। 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने के झूठ का पाखंड टूट चुका है। किसानों को बोनस और समर्थन मूल्य वाली बात कोरी लफ्फाजी निकली है। सैकड़ों महत्वपूर्ण योजनाएं या तो घोषित रूप से बंद कर दी गई हैं, या उनका बजट/भुगतान रोककर उन्हें मरणासन्न किया जा रहा है।

लाड़ली बहना में नए हितग्राही नहीं जोड़े जा रहे

नाथ ने आगे लिखा- लाड़ली बहना योजना में नए हितग्राहियों को जोड़ने का काम शून्य है, पुराने हितग्राहियों की छटनी तेजी से जारी है। जनता को मिलने वाली विभिन्न वित्तीय सहायताओं को रोककर केवल एक योजना में राशि जारी करना भोली-भाली जनता से इस शातिर सरकार की नायाब ठगी है। परिवार के हर सदस्य की जेब काटना और फिर लूट के उसी पैसों का एक छोटा सा हिस्सा जनता को लौटाकर वाहवाही लूटना इस फरेबी सरकार की आदत बन चुकी है।

पूर्व सीएम ने आगे लिखा- हर वर्ग परेशान

पूर्व सीएम ने आगे लिखा- महंगाई जान ले रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है। शिक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। सड़कों पर चन्द्रमा की सतह जैसे गड्ढे हैं। बाजार में सन्नाटा पसरा है। बेटी घर की चौखट पार करते ही असुरक्षित है। किसान बिलख रहे हैं। व्यापारियों से वसूली जारी है। बीजेपी संरक्षित भू-माफिया नदी, पहाड़ और जंगल निगल रहे हैं। मध्यप्रदेश नशे के कारोबार का प्रमुख अड्डा बन गया है। बिजली कटौती से घर से लेकर सड़कों तक पर अंधेरा पसरा है।

शिवराज को जंगलराज लागू करने में सालों लगे

कमलनाथ ने आगे लिखा- मुख्यमंत्री जी, जो जंगलराज लागू करने में शिवराज सिंह चौहान को कुछ बरस लगे थे, आपने कुछ महीनों में ही वो कीर्तिमान रच दिया है। मैं उपचुनाव क्षेत्र की जनता से अपील करता हूं कि इस सरकार को जगाने और अपने वोट की ताकत दिखाने की नीयत से मतदान करें और बीजेपी की पराजय सुनिश्चित कर लोकतंत्र के महापर्व को पावन और सार्थक बनाएं।

यूपी और तेलंगाना जाने वाले यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल एवं बीना स्टेशनों से गुजरेगी

भोपाल (नप्र)। रेलवे प्रशासन ने दिवाली और छठ पर्व पर हो रही यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हेतु 07175/07176 सिकन्दराबाद-गोरखपुर-सिकन्दराबाद स्पेशल ट्रेन शुरू की है। यह स्पेशल ट्रेन सिकन्दराबाद से 05 एवं 12 नवम्बर, 2024 प्रत्येक मंगलवार को और गोरखपुर से 07 एवं 14 नवम्बर, 2024 प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 07175 सिकन्दराबाद-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन सिकन्दराबाद से रात 9 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन दोपहर 1.50 बजे भोपाल पहुंच तीसरे दिन सुबह 06.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07176 गोरखपुर-सिकन्दराबाद स्पेशल ट्रेन गोरखपुर से सुबह 8.10 बजे प्रस्थान कर रात 11:40 बजे भोपाल दूसरे दिन दोपहर 3:30 बजे सिकन्दराबाद पहुंचेगी।

यहां लेगी हॉल्ट

रास्ते में यह गाड़ी काजीपेट से, रामगुंडम, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, भोपाल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी, भीमसेन, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बाराबंकी और बस्ती पर हॉल्ट लेगी।

भारत भवन में एकात्म संवाद एवं 'नृत्य में अद्वैत' विषय पर कार्यशाला शुरु, 6 नवंबर तक चलेगी

एकात्म संवाद में स्वामिनी विमलानंदा सरस्वती के साथ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.श्वेता अदातिया करेंगी संवाद, पद्मविभूषण डॉ.पद्मा सुब्रमण्यम सहित राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय नृत्यकार एवं नृत्य अध्येता होंगे शामिल, प्रतिदिन शाम 7 बजे से दर्शकों-श्रोताओं के लिए होगा विशेष-सत्र

भोपाल (नप्र)। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग द्वारा भारत भवन भोपाल में 3 नवंबर को एकात्म संवाद एवं 4 से 6 नवंबर तक पहली बार नृत्य से जुड़े प्रमुख कलाकारों एवं विषय-विशेषज्ञों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। रविवार 3 नवंबर को शाम 6 बजे से आयोजित 'एकात्म संवाद' में स्वामिनी विमलानंद सरस्वती के साथ दुबई, यूएई में न्यूरोलॉजिस्ट एवं माई ब्रेन डिजाइन की संस्थापक डॉ. श्वेता अदातिया संवाद करेंगी।

कार्यशाला में देश के प्रमुख नृत्यकार एवं विशेषज्ञ होंगे शामिल-भारत भवन में पहली बार इस तरह के अनूठे एवं नवीन सन्दर्भ में 'नृत्य में अद्वैत' विषयों पर तीन दिवसीय कार्यशाला होगी,जिसमें नृत्य से जुड़े विविध-सत्र आयोजित होंगे। इसमें विश्व प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्म विभूषण डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम, नृत्यांगना डॉ.पद्मजा सुरेश, केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा, कला मर्मज्ञ डॉ.राधावल्लभ त्रिपाठी सहित 60 नृत्य अध्येता एवं कलाकार सम्मिलित होंगे। यह कार्यशाला 4 से 6 नवम्बर तक प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक चलेगी,जिसमें प्रतिदिन शाम 7 से 08:30 बजे तक कलारसिकों के लिए विशेष-सत्र आयोजित होगा। इस सत्र में शहर के कलाप्रेमी, शोधार्थी और जिज्ञासु शामिल हो सकते है।

ज्ञात हो कि स्वामिनी विमलानंद सरस्वती जी ने आर्किटेक्चर में ऑनर्स डिग्री प्राप्त करने के बाद, यात्राओं ने उन्हें जीवन के बोध, जगत् की संरचना से होते हुए अस्तित्व के मूल में जाने के लिए प्रेरित किया। चिन्मय मिशन के वेदान्त पाठ्यक्रम से आध्यात्मिक ज्ञान की गहनता प्राप्त की। शिक्षा के प्रति कौतूहल ने गुरुदेव के दर्शन को चिन्मय विज़न कार्यक्रम में मूर्त रूप देने में पूर्णता पाई, जो अब बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिलक्षित होता है।

चिन्मय मिशन 25 वर्षों तक शैक्षणिक आयाम का नेतृत्व करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में बहुमुखी योगदान से लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया। एक सक्रिय आध्यात्मिक गुरु, गंभीर साधक, प्रकृति प्रेमी, विपुल लेखिका एवं लोकप्रिय वक्ता के रूप में सभी आयु वर्ग के साधकों के मार्गदर्शन हेतु विश्व भर में अनेक यात्राएँ की हैं। गूढ़ आध्यात्मिक विषयों को सरलता से आम जन मानस के मध्य प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। वेदान्त, भारतीय संस्कृति, युवा एवं बाल-केन्द्रित गतिविधियाँ और शिक्षा सिद्धान्त आदि विषयों पर उल्लेखनीय पुस्तकें प्रकाशित है। साथ ही यू- ट्यूब वार्ताएँ विश्वभर में अत्यंत लोकप्रिय हैं।

कार्यशाला की नृत्य विशेषज्ञ एवं मार्गदर्शक पद्मविभूषण डॉ.पद्मा सुब्रमण्यम विश्व प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना होने के साथ ही संस्कृति अध्येता, कलाविद्, नृत्य-गुरु, लेखक एवं नृत्य निर्देशक हैं। पिता द्वारा चेन्नई में संस्थापित नृत्य विद्यालय में चौदह वर्ष की आयु से ही नृत्य-शिक्षा आरम्भ कर सुविख्यात नृत्यांगना सुश्री रुक्मिणी देवी से नृत्य का सघन मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने नटराज के 108 करण विषय पर शोध कर पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की। बहुप्रतिष्ठित मंचों पर भरतनाट्यम की प्रस्तुति कर ख्याति अर्जित की है। कई गरिमापूर्ण विचार-सभाओं में प्रेरणापरक व्याख्यान दिये हैं। नृत्य में नाट्यशास्त्र को अत्यन्त प्रामाणिक ढंग से प्रस्तुत किया है। नृत्य और भारतीय संस्कृति में विशिष्ट योगदान के लिए देश-विदेश में एक सौ पैंतीस से अधिक सम्मानों से आपको अलंकृत किया गया है। संगीत नाटक अकादमी का अकादमी अवार्ड और अकादमी रत्न तथा भारत सरकार द्वारा पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण सम्मान विशेष उल्लेखनीय है। देश की लब्धप्रतिष्ठित संस्थाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं में उल्लेखनीय योगदान है, जैसे इन्दिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट, बहुकला केन्द्र भारत भवन, के. सुब्रमण्यम मेमोरियल ट्रस्ट, तथा आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास आदि प्रमुख हैं।

चलती फॉर्च्यूनर से गाड़ियों पर फेंके सुतली बम

थार-एक्सेंट कार के नीचे धमाके किए; भोपाल में रोड पर 2 किमी तक हुड़दंग

भोपाल (नप्र)। भोपाल में कुछ शरारती लोगों ने चलती फॉर्च्यूनर कार से रोड किनारे खड़ी गाड़ियों पर सुतली बम फेंके। दिवाली की रात (31 अक्टूबर) के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। फॉर्च्यूनर हाथीखाना - बुधवारा इलाके से गुजरी। फॉर्च्यूनर में सवार हुड़दंगियों ने सुतली बम में आग लगाई और एक्सेंट कार के नीचे फेंक दिया। वीआईपी रोड से भी हुड़दंग का वीडियो सामने आया है। चलती एक्टिवा पर तीन युवकों ने रोड पर रखे ट्रैफिक पुलिस के बैरिकेड को खींचा और आगे जाकर इसे छोड़ दिया। बैरिकेड में व्हील लगे हुए थे। इस वजह से यह रोड पर बढ़ता रहा, पीछे चली आ रही गाड़ियां इससे टकराने से किसी तरह बचीं।

संपादकीय

हिमानी झीलों की गंभीर चेतावनी

देश की राजधानी दिल्ली में दिवाली पर पटाखों के कारण प्रदूषण का स्तर खतरनाक हद तक पहुंच गया था। देश के और भी कई शहरों में कुछ ऐसी ही स्थिति रही। दिल्ली में पराली जलाने की वजह से भी भारी प्रदूषण फैलता है और लोगों को सांस लेना तक दूभर हो जाता है। इसी बीच हिमालय पर जलवायु परिवर्तन और उसके कारण हिमालय की गोद में बसे उत्तरी राज्यों में भयंकर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है, वह दिल्ली के प्रदूषण से भी ज्यादा भयावह और चिंताजनक है। यह रिपोर्ट खुद सरकारी एजेंसी केन्द्रीय जल आयोग ने जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत की 67 ऐसी झीलों की भी पहचान की गई है, जिनके सतही क्षेत्रफल में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। इन्हें बाढ़ के खतरे के मद्देनजर उच्च-जोखिम वाली झीलों में रखा गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि हिमालयी क्षेत्र में 2011 से लेकर 2024 के बीच हिमानी झीलों (ठंडे क्षेत्र में पानी वाली झीलों) के क्षेत्रफल में बढ़ोतरी देखी गई है। यह बढ़ोतरी भी 10.81 फीसदी की दर्ज की गई है। यानी हिमालय के जबरदस्त ठंड वाले क्षेत्र में भी अब तेजी से बर्फ का पिघलना शुरू हो गया है। चिंता की बात यह है कि इन बदलावों के चलते झीलों में अत्याधिक पानी से बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पूरे हिमालयी क्षेत्र की बात करें तो हिमानी झीलें और अन्य जलीय पिंडों का क्षेत्रफल 2011 के 5,33,401 हेक्टेयर से बढ़कर 2024 में 5,91,108 हेक्टेयर पहुंच चुका है, जो कि करीब 10.81 फीसदी की बढ़ोतरी है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में झीलों के सतही क्षेत्र में 33.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो कि काफी ज्यादा है। गौरतलब है कि भारत में 2011 में हिमानी झीलों का कुल क्षेत्रफल 1962 हेक्टेयर था। यह 2024 में 2623 हेक्टेयर तक पहुंच चुका है। यह सतही क्षेत्रफल में 33.7 फीसदी की बढ़ोतरी है। इस रिपोर्ट में भारत की 67 ऐसी झीलों की भी पहचान की गई है, जिनके सतही क्षेत्रफल में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। इन्हें बाढ़ के खतरे के मद्देनजर उच्च-जोखिम वाली झीलों में रखा गया है। जिन राज्यों में हिमानी झीलों के क्षेत्रफल में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई, उनमें लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। इसके चलते इन राज्यों में पहाड़ से बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है और सरकार द्वारा इस क्षेत्र की निगरानी और आपदा प्रबंधन बढ़ाने की जरूरतें भी जरूरी हो गई हैं। पृथ्वी का तापमान बढ़ने और हिमालय में हिमानी झीलों का क्षेत्र बढ़ने से नया असंतुलन पैदा हो रहा है, जिसकी परिणति पहाड़ी राज्यों में भयंकर बाढ़ के रूप में हो सकती है। इस बाढ़ को नियंत्रित करने का हमारे पास कोई तरीका नहीं है, सिवाय इसके कि हम इस प्राकृतिक असंतुलन को यथा संभव रोकें। दरअसल विकास के नाम पर प्रकृति से छेड़छाड़ के दुष्परिणाम भारत सहित पूरी दुनिया भुगत रही है। मौसम चक्र में बदलाव और उसका फसलों और मानव स्वास्थ्य पर होने वाला विपरीत असर, पहाड़ों का दरकना, लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण मानव बस्तियों पर होने वाला दुष्परिणाम और विकास के नाम पर होने वाले तमाम गतिविधियां इसी बात की ओर इशारा कर रही हैं कि प्रकृति उसके साथ होने वाली मानवीय छेड़छाड़ को कतई बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं है। चाहे हिमालय हो या मैदानी इलाके, जंगल हो या रेगिस्तान मनुष्य हर जगह कब्जा करना चाहता है और प्रकृति की संतान के बजाए उसे अपना गुलाम बनाना चाहता है। हिमानी झीलों का खतरनाक विस्तार इसी की चेतावनी है कि अब तो संभल जाएं।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

आबादी के आंकड़ों की छिपी कहानी

पिछले कुछ दिनों से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण संस्थाओं के माध्यम से ऐसे आंकड़े प्रस्तुत किए जा रहे हैं जिनसे लगता है कि देश में आबादी वृद्धि स्वयं मेव नियंत्रित हो चुकी है और अब आबादी वृद्धि कोई समस्या नहीं है। यह बात हमारे देश के बौद्धिक तत्वों में भी चल रही है जो इन अध्ययन संस्थाओं के अध्ययनों पर पूर्ण विश्वास करते हैं। वे यह पता लगाने का प्रयास नहीं करते हैं कि इन अध्ययनकर्ताओं ने किस माध्यम से अध्ययन किए हैं और कब किए हैं और क्या वास्तव में जमीन पर ऐसी स्थिति है? जिसकी चर्चा वह कर रहे हैं। अक्सर यह होता है कि देश के विभिन्न तबके अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार उनकी तथ्यात्मक जांच कराए बगैर आंकड़े उद्धृत, प्रचारित और प्रसारित करने लगते हैं। भारतीय राजनीति के राजनीतिक समूह भी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों को अपनी अपनी राजनीतिक आवश्यकता और सुविधा के अनुसार प्रचारित करते हैं और कई बार तो सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में इन अध्ययन रपटों को अपना आधार बताते हैं। लगभग दो तीन दशक पहले गोपाल सिंह कमेटी की एक रपट आई थी, जिसने यह कहा था कि देश में मुस्लिम आबादी की वृद्धि तुलनात्मक रूप से गैर मुस्लिम या हिंदू आबादी की वृद्धि दर से कम है और इस रपट का काफी सार्वजनिक प्रयोग देश के गैर भाजपाई समूहों याने कांग्रेस, समाजवादी, मार्क्सवादी दलों ने किया। दूसरी तरफ कुछ ऐसे अध्ययनकर्ताओं की रपट भी आई कि देश में मुस्लिम आबादी बढ़ रही है तथा तुलनात्मक रूप से हिंदू आबादी घट रही है। इस समूह ने अपने अध्ययनकर्ताओं की रिपोर्ट को जोरशोर से प्रसारित किया और आम हिंदू मानस में यह प्रचारित करने का प्रयास किया की बहुत जल्दी देश में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। यहां तक की इसी रपट के आधार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संचालक स्वर्गीय के पी सुदर्शन ने तो यह सार्वजनिक बयान दिया था कि हिंदुओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। मैं,नहीं जानता हूं और मेरी जानकारी में कोई ऐसा अध्ययन नहीं हुआ है कि जिसमें यह तत्व सामने आया हो कि स्वर्गीय सुदर्शन की अपील पर कितने हिंदुओं ने ज्यादा बच्चे पैदा किए या किसी अध्ययन में इस पर भी विश्वसनीय रपट नहीं आई कि मुस्लिम भाइयों के स्व नियंत्रण से आबादी की वृद्धि में कितनी कमी आई या नियंत्रण हो सका।

हालांकि इन दोनों घटनाओं का यह तो असर हुआ कि परिवार नियोजन की योजनाएं और विभाग लगभग ठप जैसा हो गया। वैसे भी 1977 में आपातकाल के बाद हुए चुनाव में, आपातकाल के दिनों में ,परिवार नियोजन के नाम पर हुई ज्यादतियों ने एक अहम भूमिका निभाई और एक मुस्लिम मतदाता के हिस्से ने भी स्वर्गीय इंदिरा गांधी,स्वर्गीय संजय गांधी और कांग्रेस के लिए वोट नहीं दिया था। उस समय के समाचार पत्रों में यह सूचनाओं आई थी कि स्वर्गीय संजय गांधी परिवार नियोजन के कार्यक्रम को सरकार की शक्ति से लागू करने के पक्षधर थे और इसीलिए ज्यादतियां हुई थी तथा कांग्रेस का परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक उनसे दूर हुआ था। इन सूचनाओं का इतना राजनीतिक प्रभाव तो हुआ ही था कि 1980 में जब श्रीमती इंदिरा गांधी दोबारा प्रधानमंत्री बनकर आई तो उन्होंने आबादी नियंत्रण कार्यक्रम को सरकारी सूची से अघोषित रूप से लगभग हटा दिया था तथा जनता पार्टी की सरकार जिसमें तत्कालीन जनसंख्या और पृष्ठभूमि में आर एस एस शामिल थी, ने अपनी पूर्व भूमिका को कुछ बदला तथा परिवार नियोजन पर मौन साध लिया। कुल मिलाकर भारतीय राजनीति का आबादी संबंधी संवाद लगभग 1980 से लेकर 2000 तक बिल्कुल ही मुख्य संवाद के मुद्दों से हट गया। स्वर्गीय सुदर्शन जी के प्रभाव में यह भी हुआ कि जब मध्य प्रदेश में 2003 में भाजपा सरकार बनी और उस सरकार के तीसरे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बने तो उन्होंने श्री दिग्विजय सिंह की सरकार के द्वारा उठाए गए आबादी नियंत्रण के एक तार्किक और वैधानिक कार्यक्रम को भी समाप्त कर दिया। भले ही देश में आज श्री दिग्विजय सिंह की छवि मुस्लिम परस्त बनाई गई हो परंतु मैं आज भी उनकी इस बात के लिए प्रशंसा करूंगा कि उन्होंने अपनी सरकार में स्थानीय संस्थाओं के लिए यह नियम बनाया था कि पंच,सरपंच आदि का चुनाव वही लोग लड़ सकेंगे जिनके अधिकतम दो बच्चे हो। उन्होंने इस कानून को विधानसभा से पारित भी कराया था और इस कानून को धर्म जाति या किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह से मुक्त रखा था। उस समय विधानसभा में भाजपा ने इसका इसका समर्थन किया था और उसी भाजपा ने पूर्ण यू टर्न लेकर 2008 के बाद उसे समाप्त कर दिया था। भाजपा को भी नीतियों के मामले में अपनी तत्कालीन राजनीतिक जरूरतों के आधार पर उलट पलट करने का उत्कृष्ट कौशल हासिल है। अभी पिछले दिनों मैं इलाहाबाद में एक पुस्तक चर्चा के कार्यक्रम में गया था और वहां मैंने देश की आबादी वृद्धि की समस्या के प्रश्न के उत्तर में उल्लेखित किया था। मेरे एक बुद्धिजीवी मित्र जो की एक प्रोफेसर रहे हैं ने मुझे टोकते हुए हस्तक्षेप किया कि देश में आबादी की वृद्धि की दर उनके द्वारा प्राप्त आंकड़ों के आधार पर स्थिर हो चुकी है और आबादी वृद्धि अब कोई समस्या नहीं है। हालांकि मैं उनके इस ज्ञान से सहमत नहीं हूं। मैं अपने दिनांदिन जीवन और देश को जिस रूप में देख रहा हूं उसमें मुझे आबादी वृद्धि तो दूर आबादी वृद्धि का विस्फोट नजर आता है। दुनिया के वैश्विक अध्ययन संस्थानों में आमतौर पर कॉरपोरेट फंडिंग होती है और वे अपने आप को एनजीओ यानी गैर सरकारी संगठन कहते हैं ने अब एक नई चर्चा शुरू की है जो आबादी की वृद्धि के लिए तर्क के पैर देती है। देश की सार्वजनिक स्मृति अक्सर कमजोर होती है और वह घटनाओं या सूचनाओं के मीडिया के मुख्य पृष्ठ या मुख्य खबर से हटते ही धीरे-धीरे अपने आप भुला दी जाती है। 2009 के आसपास जब स्वर्गीय एपीजे अब्दुल कलाम भारत के राष्ट्रपति थे सत्ता प्रतिष्ठानों के केंद्र से यह चर्चा शुरू हुई थी कि भारत अब युवकों का देश बन गया है और दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी भारत में है न केवल तत्कालीन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री बल्कि लगभग सभी दलों के राजनेता मुझ जैसों को छोड़कर इस पर गौरवान्वित होते थे कि देश की यह एक बड़ी उपलब्धि है कि देश युवाओं का देश है। हालांकि मैं लगातार कहता और बोलता रहा कि इसमें सरकार का कोई योगदान नहीं है और यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जो यह भी संकेत देती है कि 85 से 90 के बाद देश की आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है। अगर यह प्रसन्नता का कारण सही भी है तब भी दूसरे पक्ष महत्वपूर्ण हैं। तथ्य यह है कि अधिकांश युवा बेरोजगार हैं या अर्ध रोजगार में है। युवकों का एक बड़ा हिस्सा अपराधों में लिप्त है और संस्कार तथा मूल्य विहीनता में जी रहा है। एक अच्छी खासी युवा आबादी नशे में डूबी है इसलिए युवाओं की संख्या गौरव की बात नहीं है बल्कि देश में एक ऐसे युवाओं की संख्या हो जो आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो, देश और समाज के प्रति समर्पित हो, जीवन मूल्यों के प्रति संकल्पित हो,वह गौरव की बात हो सकती है। जिन वैश्विक शोध संस्थानों ने यह आंकड़े देकर उस समय देश को युवा आबादी का देश बनने का उत्सव मनवाया था अब वही कुछ दिनों से कह रहे हैं कि भारत बूढ़ा हो रहा है और युवा आबादी घट रही है। भारत सरकार ने यूथ इंडिया 2022 की रपट जारी की है कि देश की युवा आबादी जो अभी 47 प्रतिशत है वह घटकर 2036 तक 34.55 करोड़ हो जाएगी। अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं और अगले 15 वर्षों में यह संख्या और कम होगी। साथ ही संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यूएनपीएफ की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023, के अनुसार 2011 में भारत की युवा आबादी की औसत उम्र 24 साल थी जो अब बढ़कर 2023 में 29 साल हो गई है यानी बुजुर्गों की संख्या 2050 तक बढ़कर लगभग कुल आबादी की 20 प्रतिशत हो जाएगी। यूथ इंडिया भारत सरकार की रपट में यह भी कहा गया की 2011 में प्रजनन दर 2.4 प्रतिशत थी जो अब घटकर दो प्रतिशत हो गई है तथा मृत्यु दर जो 2011 में प्रति हजार 7.1 थी वह 2019 में घटकर 6 हो गई है। संभवत 2024 में यह घटकर चार या पांच के बीच हो जाएगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायडू बुजुर्ग आबादी को लेकर बहुत चिंतित हैं और उन्होंने आंध्र प्रदेश की राजधानी के प्रोजेक्ट को लॉन्च करते हुए कहा कि लोग कम से कम दो या दो से अधिक बच्चे पैदा करें, हम ऐसे दंपतियों को प्रोत्साहित करेंगे। राज्य सरकार शीघ्र ही ऐसा कानून लाएगी की दो या उससे अधिक बच्चे वाले ही चुनाव लड़ सकें। श्री नायडू के इस बयान ने जहां एक तरफपहले अधिकतम दो बच्चों की धारणा थी के स्थान पर अब न्यूनतम दो की नीति को स्वीकार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि 1950 के दशक में देश की आबादी की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत थी जो 2024 में घटकर 1 प्रतिशत हो गई है। श्री नायडू के बारे में मेरी समझ पहले भी थी और आज भी है कि वह अमेरिका व पूंजीवादी दुनिया के आर्थिक एजेंट को लागू करने वाले सीईओ जैसे हैं, उसका प्रमाण तब भी मिला था जब देवगोडा देश के प्रधानमंत्री थे तथा श्री नायडू आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत की यात्रा पर आए थे। देश के प्रधानमंत्री ने एक राजनयिक शिष्टाचार के तहत उन्हें शाम को अपने घर खाने का निमंत्रण दिया था पर उन्होंने उसे स्वीकार न कर पहले हैदराबाद जाकर चंद्रबाबू नायडू का निमंत्रण स्वीकार किया था। यह इस बात का प्रमाण है कि श्री नायडू दुनिया के कारपोरेट और कॉर्पोरेट सरकारों के सितारे रहे हैं। स्वाभाविक है कि वैश्विक दुनिया के अपने उद्देश्यों के लिए जारी किए गए आंकड़ों में उनका विश्वास कुछ ज्यादा ही है। उन्होंने बताया कि 1950 में जनसंख्या की वृद्धि दर 6 प्रतिशत थी यानी मान लो कि 1950 में देश की आबादी 36 करोड़ थी तो उसका 6 प्रतिशत लगभग 2.16 करोड़ हुआ। 1950 में मृत्यु दर प्रति हजार 12 थी यानी लगभग 44 लाख लोग देश में मृत्यु के शिकार होते थे। आबादी वृद्धि में से मौतों की संख्या को घटाकर याने जीवित आबादी वृद्धि बची लगभग 1.70 करोड़ और अगर उनका ही आंकड़ा माने तो अब प्रतिवर्ष की दर एक प्रतिशत, माने लगभग 1.5 करोड़ लोग और मृत्यु दर घट कर रह गई हजार पर छह की संख्या में। याने देश में मरने वालों की संख्या अब घटकर एक करोड़ प्रतिवर्ष। आबादी की वृद्धि संख्या और मृत्यु में कमी के बाद लगभग 2 करोड़ के आसपास नई आबादी हो जाती है। कहने का तात्पर्य यह है कि देश में आबादी पहले भी लगभग दो करोड़ प्रतिवर्ष के आसपास बढ़ रही थी अभी भी लगभग उतनी ही बढ़ रही है। इसमें कोई विशेष अंतर नहीं आया है। कुल मिलाकर देश में औसत आबादी की वृद्धि प्रतिशत में भले ही कम हुई हो पर वास्तविक रूप में वह आज भी दो करोड़ के आसपास है याने लगभग यथावत है। दूसरा पक्ष यह भी है कि आंध्र प्रदेश अब विभाजित है उसका एक बड़ा हिस्सा तेलंगाना के रूप में नए प्रदेश में चला गया। इसलिए भी चंद्रबाबू नायडू का आबादी का आंकड़ा कुछ गड़बड़ आया हुआ लगता है। तीसरा पक्ष है कि चंद्रबाबू नायडू ज्यादा बच्चे पैदा करने के बजाय मृत्यु दर कम करने के प्रयास अपनी सरकार के माध्यम से करें तो यह विसंगति दूर होने लगेगी। उन्हें वृद्धों की आबादी से भय है जोकि बहुत तार्किक नहीं है एक तो इसलिए कि आज मशीनीकरण और वैश्वीकरण के चलते एक-एक मशीन से कई हजार मजदूरों का काम हो रहा है इसलिए वैसे ही युवकों के लिए रोजगार की संख्या काफी कम हो रही है और अगर युवकों की संख्या बढ़ जाए और वे केवल बेरोजगारी, भुखमरी, आत्महत्या या अपराधी होकर मरें तो ऐसी आबादी का भी कोई भला नहीं होगा। श्री नायडू को चाहिए कि वह अपने प्रदेश के किसानों की आत्महत्याओं को रोके, बेरोजगारों की आत्महत्याओं को रोके, और जिंदा युवकों को बचाने का प्रयास करें।

विदेशी यूएनओ और एनजीओ के आंकड़ों के पीछे कई छिपे हुए वैश्विक हित होते हैं। वैश्विक पूंजीवाद निरंतर उन्नत और अति समर्थ तकनीक की ओर बढ़ रहा है। पहले यानी 18वीं सदी के पूंजीवाद में, एक मजदूर अपनी ताकत भर कमाकर, पूंजी के मालिक को देता था, जिसका कुछ हिस्सा उसे जिंदा रहने के लिए मजदूरी के रूप में वापस दिया जाता था ताकि वह जिंदा बना रहे और निरंतर काम करता रहे। वह इतना मजबूत भी नहीं हो कि काम ना करें,यानि इतना कमजोर भी ना रहे की काम करने के लायक भी ना रहे। पर अब पूंजीवाद का नया स्वरूप उससे भी भयावह है। अब उसे केवल, उन्नत तकनीक चाहिए जो हजारों लाखों का काम अकेले एक बटन से कर सके। पर रंगीन या गरीब दुनिया में, उसे खरीददार भी चाहिए, वरना विपुल पैदावार का क्या होगा? तो अब उसे, भारत, अफ्रीका जैसे देशों में खरीददारों की संख्या बढ़ाना है, तो फिर आबादी वृद्धि जरूरी है। शायद वृद्धों के बढ़ने का व जवानों के घटने का शोर इस रणनीति को क्रियान्वित करने का एक हिस्सा है। रूस में यह ठीक हो सकता है क्योंकि बर्फीले प्रदेशों में प्राकृतिक रूप में जन्म दर बहुत कम रहती है। वैसे भी यूरोप अमेरिका में प्रति व्यक्ति क्षेत्रफल भारत की तुलना में ज्यादा है। आशा है देश में केंद्र की सरकार व सुबाई सरकारें इस षड्यंत्र को समझेंगी। जमीनी हकीकत यह है कि देश में आबादी का विस्फोट है और वह भयावह दृश्य पैदा कर रहा है। सरकार को जमीनी सत्य के आधार पर आबादी नियंत्रण नीति बनानी चाहिए जो धर्म जाति के आधार पर नहीं वरन सभी को साथ लेकर बने।

खेल संसार

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

खराब रणनीति का शिकार हुई भारतीय क्रिकेट टीम

भारत की टेस्ट क्रिकेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 की हार ने भारतीय क्रिकेट में गहरी चिंताओं को जन्म दिया है। घरेलू पिचों पर मिली इस हार ने न केवल टीम के कमजोर पक्षों को उजागर किया है, बल्कि नए कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल खड़े किए हैं। न्यूजीलैंड के इस ऐतिहासिक क्लीन स्वीप के पीछे कई कारण हैं, जो न केवल खिलाड़ियों की तकनीकी कमजोरियों को सामने लाते हैं बल्कि भारत की कोचिंग और मानसिकता में जरूरी बदलाव की ओर भी इशारा करते हैं।

हार के प्रमुख कारण

1. **स्पिन खेलने में कमजोर प्रदर्शन:** भारत हमेशा से स्पिन खेलने में माहिर माना गया है, खासकर घरेलू पिचों पर, लेकिन इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के स्पिनरों के सामने असहाय दिखे। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने टर्न, उछाल और सही लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। इसमें भारतीय बल्लेबाजों का फुटवर्क भी लचर नजर आया, जिससे वे स्पिन को अच्छे से खेल पाने में असमर्थ रहे। ऐसी स्थितियों में, खिलाड़ियों को बल्लेबाजी में तकनीकी संतुलन की कमी से जूझते देखा गया।
2. **स्ट्राइक रोटेशन में विफलता:** भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में नियमित रूप से स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाए। टेस्ट मैचों में केवल बाउंड्री पर निर्भर रहने से बल्लेबाजों पर अधिक दबाव आता है, और यही भारतीय बल्लेबाजों के साथ हुआ। जब गेंदबाज अच्छी लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी कर रहे हों, तब स्ट्राइक रोटेट कर खुद को स्थिर करना जरूरी होता है, लेकिन भारतीय बल्लेबाज एक छोर पर टिक कर बड़े शॉट्स लगाने के चक्कर में अपना विकेट गंवाते दिखे।
3. **गंभीर की टी-20 शैली की रणनीति का असर:** नए कोच गौतम गंभीर की टेस्ट में आक्रामक खेल खेलने की रणनीति कारगर साबित नहीं हुई। गंभीर का दृष्टिकोण तेज गति से रन बनाने और मैच के परिणाम पर फोकस करने का है, जो टी-20 और वनडे में तो कारगर हो सकता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और स्थिरता की जरूरत होती है। इसके चलते बल्लेबाजों ने अत्यधिक जोखिम भरे शॉट्स खेले और अपनी विकेट सस्ते में गंवाए। टेस्ट क्रिकेट में लंबी पारियां खेलने के लिए जिस धैर्य और तकनीक की जरूरत होती है, वह इस रणनीति में नदारद दिखी।
4. **तेज गेंदबाजों का असफल प्रदर्शन:** तेज गेंदबाजों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन इस सीरीज में उनका प्रभाव कमजोर दिखा। खासतौर से रिवर्स स्विंग में भी कोई सफलता नहीं मिल सकी। इसके अलावा, स्पिनरों को भी लय में नहीं पाया गया, और वे नियमित अंतराल पर विकेट लेने में असमर्थ रहे। नतीजतन, भारतीय गेंदबाजी इकाई विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पाई।
5. **मानसिक तैयारी की कमी:** ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय टीम मानसिक रूप से इस चुनौती के लिए तैयार नहीं थी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ उसकी घरेलू पिचों पर खेलकर ऐसी रणनीति बनाई, जिससे भारतीय खिलाड़ी चौंक गए। बल्लेबाजों का मानसिक संतुलन टूटता दिखा, और उन्होंने आसानी से अपने विकेट दे दिए। भारतीय खिलाड़ी हालात का सामना करने की बजाय जल्दबाजी में फैसले लेते नजर आए।

भविष्य की चुनौतियाँ

भारतीय टीम के लिए आगे की राह आसान नहीं है। घरेलू पिचों पर हार से आत्मविश्वास में कमी आई है, और इस कारण आगामी मैचों में टीम को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

1. **मानसिकता में बदलाव:** टीम को टेस्ट क्रिकेट की मानसिकता पर विशेष ध्यान देना होगा। टी-20 शैली में तेजी से रन बनाने की मानसिकता को टेस्ट क्रिकेट के धैर्यपूर्ण खेल में बदलना होगा। खिलाड़ियों को खेल के प्रति संयमित और समझदारी भरी सोच के साथ उतरने की जरूरत है।
2. **स्पिन के खिलाफ तकनीकी सुधार:** भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों का मुकाबला करने के लिए अपनी तकनीक सुधारनी होगी। घरेलू पिचों पर स्पिन का सामना करना भारतीय बल्लेबाजों की खासियत रही है, और इसे फिर से हासिल करने के लिए उन्हें अधिक अभ्यास की आवश्यकता है।
3. **कड़े विदेशी दौरों की तैयारी:** भारत को अपने विदेशी दौरों पर आने वाले कठिन मुकाबलों के लिए तैयार रहना होगा। घरेलू पिचों पर मिली हार ने भारतीय टीम को दिखाया है कि वह केवल घरेलू परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रह सकती। उसे अन्य देशों में अपने खेल को सुधारने की आवश्यकता है।
4. **बेंच स्ट्रेंथ का इस्तेमाल:** टीम चयन में नए खिलाड़ियों को मौका देना जरूरी होगा। युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास और निरंतरता के साथ मैदान पर उतारने से टीम में नई ऊर्जा आएगी।
5. **टेस्ट के लिए नए कोचिंग दृष्टिकोण:** गौतम गंभीर को अपने कोचिंग दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना होगा। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में आक्रामकता की बजाय धैर्य और स्थिरता पर ध्यान देना चाहिए। क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में सफल होने के लिए खिलाड़ियों की मानसिकता और तकनीकी समझ को समझना जरूरी होता है।

अब क्या करना होगा मैनेजमेंट को?

1. **टेक्निकल ड्रिल्स और अभ्यास:** भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ कड़े अभ्यास की जरूरत है, जहां वे विभिन्न प्रकार के स्पिनरों का सामना कर सकें। इसके अलावा, नियमित रूप से स्ट्राइक रोटेशन पर काम करना भी जरूरी है ताकि वे दबाव में आकर अपना विकेट न गंवाएं।
2. **व्यक्तिगत मानसिक तैयारी:** टीम में मानसिक मजबूती बढ़ाने के लिए खिलाड़ियों के साथ मनोवैज्ञानिक सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। टीम को कठिन हालातों में धैर्य रखने और संयम बनाए रखने की आदत डालनी होगी।
3. **लंबे प्रारूप के विशेषज्ञों का चयन:** टेस्ट क्रिकेट के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज और गेंदबाजों का चयन किया जाना चाहिए। ऐसे खिलाड़ियों का चयन करना आवश्यक है जो लंबी पारियां खेलने का सामर्थ्य रखते हों और विदेशी पिचों पर भी अपना योगदान दे सकें।
4. **गंभीर की रणनीति में संतुलन:** गौतम गंभीर को अपनी रणनीति में संतुलन बनाना होगा। उनका आक्रामक दृष्टिकोण टेस्ट में तभी सफल हो सकता है जब उसमें स्थिरता और धैर्य का समावेश हो। खिलाड़ियों को लचीला दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना जरूरी है ताकि वे परिस्थिति के अनुसार खेल में बदलाव कर सकें।

भारत की न्यूजीलैंड के खिलाफ इस 3-0 की हार ने टीम में कई महत्वपूर्ण कमियों को उजागर किया है। टेस्ट क्रिकेट में सफलता के लिए धैर्य, तकनीकी कुशलता और मानसिक दृढ़ता की जरूरत होती है। गंभीर का आक्रामक दृष्टिकोण सफल हो सकता है, लेकिन इसमें संतुलन और परिस्थितिजन्य समझ का समावेश जरूरी है। अगर भारतीय टीम इन चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को तैयार करती है, तो वह भविष्य में वापसी करने में सफल हो सकती है और अपनी पुरानी प्रतिष्ठा को फिर से हासिल कर सकती है।

हाथियों को तो केमिकल्स ने मारा, कोदो में कहां दम था!

कटाक्ष

डॉ. प्रदीप मिश्र

लेखक व्यंग्यकार हैं।

इन दिनों कोदो की ग्रह-दशाएँ ठीक नहीं चल रही हैं। शनि का साढ़े साती उस पर सवार है। राहू-केतु भी लगातार अपनी मारकता बनाए हुए है... मतलब यह की कोदो की हालत बेहद खौफनाक है। यहाँ तक तो ठीक था, पर इधर खबर आई है कि लोग उसे उठा-उठाकर पटक रहे हैं। उसके पौधे टूट गए हैं। दाने टूटकर बिखर गए हैं। कोदो रहे हैं। मुझे बेचकर लोग पैसे कमाते रहे हैं, तब सब ठीक है?'

-'अब क्यों सब सत्यानाश हो गया ?'

-'मेरी वजह से हुआ है?'

-'डॉक्टर तो यही कहते हैं कि अपराधी तू है।'

-'मेरे ऊपर ढेरों केमिकल्स का इस्तेमाल करोगे और कोई निरीह मुझे खाकर अनहोनी का शिकार होगा तो डॉक्टर कहेंगे कि कोदो ने मार डाला।'

-'नेता भी तुझे ही दोषी ठहरा रहे हैं। नेतागण झूठ थोड़ी बोलेंगे ?'

-'नेता ये तो बोलेंगे नहीं कि उनके राज्य में मोटे अनाज पर भी अब केमिकल्स का इस्तेमाल बेरहमी से हो रहा है?'

दहाड़ें मारकर रो रहा है।

मैंने उसे हड़काया,'क्यों रे शैतान! तुझे लाज न आई अबोध हाथियों की जान लेने में? '

-'मैंने जान ली है? मैं खुद कोमल, सुंदर, बीमारियों का नाश करने वाला, लोगों की भूख मिटाने वाला। मैं भला किसी की जान कैसे लूँगा?'

-' यही सारे गुण स्लो-प्वाइजन के भी होते हैं। इसी से तूने सीधे-साधे हाथियों के प्राण लिए हैं।'

-' मुझे तो हाथी नामालूम कब से खा रहे हैं। मेरी तासीर जहरीली होती तो मैं जहरीला अन्न नहीं माना गया होता? लोग मेरी खेती क्यों करते? मुझे खाकर लोग तंदुरुस्त होते

-' तो तुझे खाने से हाथी मरे नहीं हैं ?'

-'हाथी कोदो-कुटकी आज से तो खा नहीं रहे हैं? मैं सदियों से तमाम शाकाहारी जानवरों का आहार रहा हूँ । आज तक तो कोई शिकायत नहीं आई? जब तक मुझे प्रकृति में प्राकृतिक रूप से पैदा होने दिया जा रहा था, मैं स्वास्थ्यवर्धक था।

केमिकल्स के भारी इस्तेमाल से मेरी पैदावार तो बढ़ी, लेकिन मैं निरीह जानवरों का हत्यारा बन गया...हाथियों को तो केमिकल्स ने मारा, मुझ कोदो में कहां दम था। मुझे जहरीला बनाने वाला इंसान तो फितरतों से हमेशा बेरहम था।' कोदो ने अपना पक्ष रखा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नसीब अपना-अपना

आजकल के चलते आदमी कोल्हू के बैल के माफिक इस घोर बेरोजगारी के बावजूद कहीं न कही किसी न किसी काम में जुत ही जाया करता है। फिर तमाम जिंदगी उसे इसी अवस्था में रहने को विवश होना पड़ता है। लेकिन अपनी जिंदगी तो बड़े आराम से गुजर रही है। सामान्य अकल के अभाव में 'माथाफोड़ी' वाले काम से अपुन को दूर ही रखा जाता है। इसके चलते मुझे घर और बाहर सामान रूप से अपने आप में 'बाराती' होने की फीलिंग आती है। मामला चाहे हवाई या रेल यात्रा का हो, या फिर लैपटॉप या मोबाइल के सही तरह से काम नहीं करने का, अपुन से कोई भी किसी प्रकार की उम्मीद नहीं करता। इस मायने में नादान होने में ही समझदारी दिखाई देती है।

जब हम किसी विशिष्ट ज्ञान से परिपूर्ण हो जाते हैं, जिम्मेदारी का पहाड़ सर पर धारण करना पड़ता है। कबड्डी के मैदान में खेलने वाले खिलाड़ी को सांस रोक कर 'कबड्डी कबड्डी' का लगातार उदघोष करना पड़ता है, ताकि उसकी अपनी टीम विजेता बन सके। लेकिन जब अपुन आउट हो जाते हैं, टीम को जीताने की जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। अपनी टीम का कोई खिलाड़ी जब शानदार खेल का प्रदर्शन कर टीम को विजयी बना देता है तब विजेता टीम में अपुन शामिल होते ही हैं। कहा जाता है कि नाचे कूदे बांदरी और खीर मदारी खाए, तो क्या हुआ ! यह तो मदारी की किस्मत हुई। महर्षि चार्वाक तो कर्जा कर के घी पीने की बात करते थे, लेकिन दातार सरकार के चलते अपने यहां तो घी पीने के लिए कर्जा करने की जरूरत ही नहीं है।

कहा तो यहां तक जाता है कि एक बार इस समूचे संसार को असार बता देने वाला वर्ग विषयों के प्रति आसक्ति भाव को अपना सकता है। लेकिन मैं संसार के सार तत्व को समझता हूं, इसी कारण किसी भी प्रकार के लोभ-लालच से सर्वथा परे हूं। वैसे भी अपनी दातार सरकार के चलते मेरे जैसे आम आदमी को कमाने खाने की तो रत्ती भर भी चिंता नहीं करना चाहिए। केवल और केवल तमाम खैराती योजनाओं की जानकारी और ऐसी योजनाओं से लाभान्वित होने की प्रक्रिया का इल्म होना ही काफी होता है। अब यदि जिंदगी बड़े आराम से गुजारना है ,तो इतनी जहमत तो उठाई जा सकती है। है कि नहीं! अब यह जो खैराती योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए जो उठापटक करनी होती है, वह भी तो किसी पुरुषार्थ से कम नहीं।

बीते दिनों सोशल सोशल मीडिया पर ऐसा दृष्टांत दिया गया कि एक आदमी दूसरे आदमी को अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए हाथ-पैर चलाने की सलाह देता है। वह कहता है कि इसलिए कमाओ और इसलिए कमाओ। तमाम तरह की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक आवश्यकताओं का हवाला देकर दूसरे आदमी को पुरुषार्थ के प्रति प्रेरित करने का प्रयास करता है।

इस पर दूसरे आदमी का तर्क होता है कि जब गर्भावस्था से वृद्धावस्था तक की चिंता अपनी सरकार करती ही है, तो भला मैं काहे की चिंता करूं और हाथ-पैर चलाऊ ? इस दृष्टांत को मैंने हल्के में नहीं लिया। साफ तौर पर कहूं तो दूसरे आदमी का तर्क मुझे काफी वजनदार लगा।

वैसे यह हकीकत भी है कि हमारे देश-प्रदेश में कामकाजी तमाम किस्म का अनिवार्य अंशदान सरकार को न्योछावर करता है। और निठल्लों की चिंता सरकार करती है। बीते तीन-चार दशक से यह सिलसिला निरंतर परवान चढ़ रहा है।

एक बात और है, यदि मेरे सामने साक्षात प्रभु जी प्रकट हो जाए और मुझसे वरदान मांगने को कहे, तो बिना एक पल भी व्यर्थ गवाएं मैं तो उनसे यही मांगू कि मुझे हर एक जन्म में इस देश-प्रदेश की सीमा में ही' अवतरित ' करें। कभी-कभी मन में विचार आता है लोग जाने क्यों स्वर्गलोक को दूसरी दुनिया मे होना बताते हैं। जहां कुछ अनिवार्य शर्तों के पालन पर ही जाया जा सकता है। लेकिन सच कहूं, मुझे तो यहां और यहीं पर ' स्वर्गीय अनभूति ' हुआ करती है।

क्या कह रही है जिंदगी

ममता तिवारी

लेखक साहित्यकार हैं।

आपकी कहानी का हीरो कौन है?

कभी-कभी बीच में उसे नायक/नायिका बनने का मौका मिलता है कभी पूरी जिंदगी नहीं बन पाते, कभी वयस्क होते ही अपने जीवन की बागडोर हमेशा अपने हाथ में रखते हैं। शादी होते ही या तो आप सर्वेसर्वा होकर मालिक बन बैठते हैं रिश्तों के जैसे मां-बाप, भाई-बहन, पत्नी, बच्चों पर हुक्म चलाते हैं। उन्हें अपनी बात मनवाने पर मजबूर करते हैं (शायद आपको बचपन में दबाने का नतीजा है ये) और यूं आपको पता नहीं चलता आप हीरो/हीरोइन की जगह विलेन होते जा रहे हैं। आप किसी फिल्म के हीरो/हीरोइन की तरह भी नहीं हो सकते जिसकी कहानी की एंडिग अक्सर सुखद होती है।

जनाब मैं आपकी ज़िंदगी की बात कर रही हूँ, किसी और की नहीं। अगर हम आंख मूंद कर अपनी ज़िंदगी को कहानी की तरह दूर खड़े होकर देखें, सोचे, पढ़ें तो आप क्या उस कहानी के हीरो या हीरोइन है? ये कैसा सवाल है? दरअसल, जब मैंने खुद अपनी ज़िंदगी पर नजर डाली जिसमें आजकल मैं खुद को अपनी कहानी की नायिका मानती हूं पर क्या हमेशा से मैं अपनी कहानी की नायिका थी? खैर, माना पैदा होने से वयस्क होने तक हम खुद उतने परिपक्व नहीं होते। हमारी ज़िंदगी की बागडोर हमारे बड़ों और माता-पिता के हाथ में होती है। वो हमारे लिये जो निर्णय लेते हैं, हम मानकर चलते हैं वही सही है। वयस्क होते ही एक ज्ञान और अनुभव का कीड़ा हमारे भीतर जन्म लेता है। हम कुलबुलाते कीड़े को शांत करते हैं क्योंकि हमारे बड़ों का कहना होता है वयस्क होने से क्या होता है, अभी तुम्हारे अनुभव इतने परिपक्व नहीं है कि तुम अपनी शिक्षा, विषय, जीवन के निर्णय ले सको। तो अक्सर डोर उस उम्र में उन्हीं के हाथ में रहती है। हम उन्हीं के बताये, दिखाये रास्तों पर चलने लगते हैं। मुश्किल से 5 प्रतिशत बागी है जो अपने जीवन की बागडोर अपने हाथ लेते हैं फिर जॉब चुनने में भी थोड़ी परिपक्वता आने पर 50 प्रतिशत लोगों को अपनी इच्छा से जॉब चुनने का अधिकार मिल जाता है। बाकी बचे 5 प्रतिशत वो अभी भी डोर से बंधे हैं और उनका आत्मविश्वास भी डगमगा चुका है निर्णय लेने में।

फिर आता है जीवन में दोस्त, प्यार, मोहब्बत, कमिटमेंट, शादी का नंबर। आजकल माता-पिता भी चाहते हैं कि आप अपना जीवन साथी खुद चुने ताकि कल को कोई बात हो तो उनकी जिम्मेदारी ना हो। अर्थात आपको वैसे जिम्मेदार नहीं समझा जाता पर जीवनसाथी चुनने का अधिकार दे दिया जाता है। इसमें भी अभी बाकी है वो लोग जिन्हें मां-बाप की पसंद से जीवनसाथी चुनना पड़ता है। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की कहानी अलग होती है।

कभी-कभी बीच में उसे नायक/नायिका बनने का मौका मिलता है कभी पूरी जिंदगी नहीं बन पाते, कभी वयस्क होते ही अपने जीवन की बागडोर बागडोर हमेशा अपने हाथ रखते हैं। शादी होते ही या तो आप सर्वेसर्वा होकर मालिक बन बैठते हैं रिश्तों के जैसे मां-बाप, भाई-बहन, पत्नी, बच्चों पर हुक्म चलाते हैं। उन्हें अपनी बात मनवाने पर मजबूर करते हैं (शायद आपको बचपन में दबाने का नतीजा है ये) और यूं आपको पता नहीं चलता आप हीरो/हीरोइन की जगह विलेन होते जा रहे हैं। आप किसी फिल्म के हीरो/हीरोइन की तरह भी नहीं हो सकते जिसकी कहानी की एंडिग अक्सर सुखद होती है। ये जिंदगी में नायक/नायिका होने की बात है। क्या मैं आपसे सर झुका कर हर बात मान लेने वाला अच्छा-अच्छा दिखने वाला रोल करने को कह रही हूं (जिसमें अक्सर इच्छाओं का दमन करना होता है)? देखिये कुछ जिम्मेदारियाँ ना चाहते हुये भी हमें उठाना है तो विलेन बनकर नहीं हीरो/हीरोइन बनकर खुशी-खुशी उठायें। ये मत दिखायें कि आप दबाव में हैं। ना ही मैं आपसे यह कह रही हूं कि आप बागी हो जायें और निर्मोही का रोल निभायें और बाहर से कठोर, बदतमीज अंदर से भीरू बने (ये करने की जरूरत क्या है आपको)। आप अपनी नज़र में हीरो/हीरोइन बनें। चाहे आपका माता-पिता को साथ रखने का इरादा हो। वो आपके माता-पिता है उतने ही आपके हैं जितना आपका परिवार। अगर आप हीरो रहेंगे तो उन्हें भी आपकी पत्नी को उतनी ही इज्ज़त देनी होगी। ये होती है नायकों वाली बात। वही बात उल्टी भी हो सकती है। आप फिर हीरो बनें आपको अपनी पत्नी/पति को उतनी ही तवज्जो देनी पड़ेगी जितनी अपने मां-बाप को। आप अपनी जिंदगी की कहानी के हीरो हैं। कुछ निर्णय आपको ही लेने पड़ेंगे जैसे बच्चों के आप लेते हैं।

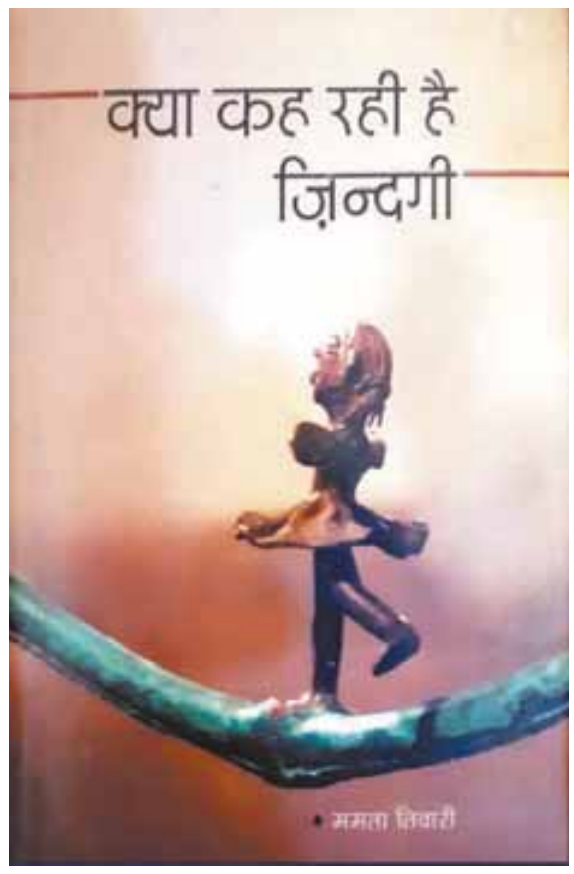

अब बात आती है उम्र दराज होते लोगों की जिनकी जिंदगी अचानक उनके बच्चों के हाथ में चली जाती है या यूँ समझें कि आपके उम्रदराज़ होते ही बच्चे अपने आप को जिम्मेदार समझ आपकी चिंता करते स्वास्थ्य की सलाह देते देते आपके जीवन की बागडोर अपने हाथ में ले लेते हैं। खुद को नायक, आपकी नज़रों में विलेन हो जाते हैं। ऐसा मत होने दें। उनके जज़्बातों की कदर करें पर जब वह आपकी जिंदगी कंट्रोल करने की कोशिश करें उन्हें उनकी सीमाएं बिना लड़े, चिल्लाये समझा दें। इसके लिये आपका आर्थिक रूप से मजबूत होना बेहद ज़रूरी है और मानसिक रूप से शक्तिशाली और स्वस्थ भी। इन तीन चीज़ों में लापरवाही आपको उनकी नज़रों में कमज़ोर बनायेगी। मैं ज्ञान नहीं बांट रही। जीवन के अनुभवों से बता रही हूँ कि खुशहाल जीवन के लिए संतुलन जरूरी है। आप अपने परिवार में समाज में अपनी जिंदगी के नायक/नायिका बने रहे। और अपने बच्चों को उनके परिवार उनकी दुनिया का हीरो/हीरोइन रहने दे। स्त्री को लेकर काफी दुविधा है। हमेशा पुरुष ही मुखिया होता है आप स्त्रियों के जिंदगी और घर में। ऐसे में सीमाएं निर्धारित करें कि तुम इस फील्ड में नहीं जानते इसलिए इस क्षेत्र में, मैं ही नायक रहूंगी। तुम दख़लअंदाजी नहीं करोगे। मसलन, औरतें घरेलू हेल्प, किराना, व्यवस्था में माहिर है तो ये क्षेत्र उन्हें ही संभालने दें। वो अगर मदद मांगे तो उसे दें। उसके घरेलू स्टाफ के बीच में ना आये। यही बात उसके ऑफिस सहेलियों के साथ भी करें। ये उसकी ज़िंदगी है। उसकी केअर करें।

वो आपकी जीवन साथी है आप उसके बॉस नहीं और ना ही वयस्क बच्चों को अपनी प्रॉपर्टी समझे। विषय संबंधी चुनाव उन्हें करने दें। आपको भी बुरा लगा लगा होगा जब आपके बॉयो पसंद करने पर पिता ने गणित दिलाया था। बस, मांगने पर सलाह दें। दुआ दें कि उनके निर्णय सही साबित हों।

अगर वह असफल होते हैं (बच्चे, जवान, बूढ़े तीनों) तो उन्हें ताना ना मारे, उन्हें धिक्कारे ना। आखिर, फिल्म में भी हीरो कभी ना कभी विलेन से हारता भी है, पर हमेशा उन्हें नायक/नायिका होने की मजबूती दें। बेटी को जरूर एहसास दिलाएं कि वो अपनी जिंदगी की नायिका है। दादागिरी से नहीं नम्रता से अपनी ज़िंदगी के नायक/नायिका बनें और पूछते रहें और क्या कह रही है जिंदगी।

मुद्दा

आर.बी. त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

दिवाली के बाद उभरते कुछ यक्ष प्रश्न?

कुछ प्रश्न, जिज्ञासाएं,इच्छाएं और सवाल ऐसे होते हैं जिनके समाधानकारी उत्तर हासिल करना बड़ा मुश्किल प्रतीत होता है। इसी तरह त्योहार , पर्व, पवित्र कार्तिक, श्रावण , वैशाख जैसे महीने भी बीतते रीतते कुछ ऐसे ही सवाल छोड़कर जाते हैं जो अनुत्तरित होते हैं। इस दिवाली और आधे बीत चुके कार्तिक मास में भी यही सब महसूस हुआ।

शुक्र है कि विद्वज्जन इस बात पर एकमत हुए कि दिवाली 31अक्टूबर को ही मनाई जाये और अनेक मत- मतांतर के बीच दिवाली उज्जैन से काशी वाराणसी और अयोध्या तक एक साथ मनाई जा सकी। ऐसा ही बीती नवरात्र तथा शरद पूर्णिमा की तिथियों को लेकर भी हुआ था। खैर..जो बीत गया सो बीत गया।

अपनी प्रतिदिन की अच्छी बुरी आदत के मुताबिक ऐन दिवाली के दिन भी अपन सुबह की सैर करना नहीं छोड़ सकते। सो, देखने में आया कि अलसुबह कई लोग अपनी पीठ पर बड़ा सा बोरा लादे बोझ के मारे झुककर सड़क पर आ- जा रहे थे। दरअसल वे रास्ते और चौराहों पर पड़े कचरे में से बोतलें,पॉलीथिन, कार्टून और बड़ी बड़ी पन्नियां बटोरकर थैलों में भरकर बिक्री के लिये ले जा रहे थे। खेद की बात यह है कि इनमें महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल रहते हैं जो रोजाना यही काम करते हैं। इनकी यह कैसी दिवाली और कैसा त्योहार? चेहरों पर त्योहार की खुशी का जरा सा भी भाव नहीं। क्या इन लोगों तक सरकार की बड़ी बड़ी योजनाओं, घोषणाओं, बातों-वादों की जरा सी भी खबर नहीं पहुंचती होगी। यदि ऐसा नहीं है तो यह सब आखिर क्या है। हालांकि पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति अपने लगाव को देखते हुए तो हम मानते हैं कि ये लोग पर्यावरण के रक्षक या पहरुए की भूमिका ही निभा रहे हैं भले ही यह उनकी आजीविका से जुड़ा मामला है जो उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डालता होगा।

दिवाली और उसके दूसरे दिन भी सड़कों पर तथा सड़क किनारे दुकानों, प्रतिष्ठानों के पास कचरे के ढेर, पॉलीथिन, डिस्पोजेबल तथा पाउच बिखरे पड़े थे। पटाखों के खोल और अधजले पटाखे खुद बयां कर रहे थे कि बीती रात पटाखों से कितना शोर और प्रदूषण कितना खतरनाक रहा होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश और सरकार की अपील को दरकिनार कर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और अन्य जगहों पर जमकर पटाखे चले और रिपोर्ट है कि प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया।

प्रदेश की राजधानी भोपाल में चौराहों पर कचरा डालने के डस्टबीन, नये नये प्रयोगों के चलते गायब ही हो चले हैं। सो, जिसकी जहां मर्जी वहां कचरा कबाड़ आदि फेंक कर निजात पा लेते हैं। जिम्मेदार महकमा या एजेंसी चौबीसों घंटे तो निगरानी रखने और जुर्माना लगाने से रहे। खाली पड़े प्लाट कचरा संग्रहण के आदर्श स्थान तथा डेंगू, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों को फैलने में मदद करते नज़र आते हैं। अंदरुनी रास्तों और सड़कों पर भी रहवासी घरों के बीच होटलें खुल गई है जो रहवासियों के लिए नई मुसीबत का सबब बन गई है। तेज आवाज में बजने वाले फूहड़ गाने आपको चैन से बैठना तो दूर सुनने की क्षमता पर भी असर डालते हैं। खासकर सीनियर सिटीजन के लिए तो और भी मुश्किल वक्त चल रहा है। भले ही उनके लिए अलग से मदद के लिए हेल्पलाइन भी नाम मात्र के लिए चल रही हो जिसके जरिये शायद ही कोई सुनवाई होती हो।

शासन- प्रशासन के नुमाइंदे मुख्य सड़कों से होकर गुजर जाते हैं जैसे अंदरूनी रहवासी इलाकों से उनका कोई लेना- देना नहीं। किरायेदार के रूप में रह रहे लड़के लड़कियों का पुलिस वेरीफिकेशन तो दूर पुलिस थानों को सूचना भी नहीं दी जाती। जैसा कि कानूनन जरूरी होता है। ऐसा क्यों होता है इसका जवाब कभी नहीं मिलेगा।

दिवाली 31 अक्टूबर को मनी इसी दिन पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी का शहादत दिवस था जिसे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। लेकिन इस साल ना तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और ना ही टेलीविजन या सरकारी भोंपू रेडियो पर उनका जिक्र या श्रद्धांजलि स्वरूप दो शब्द भी थे। क्या आधुनिक भारत में इंदिराजी का योगदान और उनकी अपने ही अंगरक्षकों द्वारा की गई निर्मम हत्या को ऐसी ही भुला दिया जायेगा। देश के कर्णधारों की स्मृति को मिटाने का दौर भी लगता है शुरू हो गया है। दूसरी ओर प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वर्गीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर कथित तौर पर जूते रख दिये जाते हैं। इस तरह की हरकतें घोर निंदनीय और शर्मसार करने वाली है। महापुरूषों की प्रतिमाएं स्थापित करने के बाद उनकी सुरक्षा और स्थल की साफ-सफाई किसकी जिम्मेदारी होती है।

लगता है कि महंगाई की बात करना अब बेकार सा है लेकिन सवाल तो उठते ही है कि क्या वजह है कि टमाटर, आलू, प्याज से लेकर भिंडी, गिल्की, पालक मैथी धनिया अदरक और हरी मिर्च के दामों ने लोगों के चेहरे लाल कर दिये हैं। बीती दिवाली मिठाई, मौसमी फल और अच्छी क्वॉलिटी की पूजन सामग्री आदि सभी वस्तुएं आम लोगों के बूते से लगभग बाहर थी।

विडंबना यह है कि सरकारों और और उनके नुमाइंदे यह कटु सत्य मानने की बजाय पहले की तुलना में इसके कम होने के आँकड़ों की पोथी बांचने लगते हैं। लेकिन गृहणियों से कोई पूछे तो कि महंगाई का भार घरों के के किचिन से लेकर बर्तन भांडे, साग भाजी, कपड़ों गहनों आदि पर कितना पड़ रहा है। लेकिन क्या किया जाये कुछ लोगों को तो हमेशा ही मंगलगान और ठकुर सुहाती ही भली लगती है। सो, जब-तब होने वाले चुनावों में भी महंगाई, रोजगार और आमजन के सरोकार वाली रोज़मर्रा की समस्याएं मुद्दा नहीं बन पाती।

विचार

बंसीलाल परमार

गोवर्धन पूजा हुई अब गोवंश के लिए काम हो

कल गोवर्धन पूजा थी। कृषि कर्म और पशुपालन से जुड़ा यह लोकपर्व धार्मिक से अधिक लौकिक है। हमारा देश कृषि प्रधान है। होली और दीपावली सस्योत्सव कहलाते हैं। सस्य का अर्थ हंसिया या दराता होता है। सस्योत्सव अर्थात फसल कटाई का उत्सव। जब किसान का घर धन्य धान से भर जाता है तब निर्विघ्न प्राप्त हुए इस उत्पाद की कितनी खुशी है मेहनतकश किसान ही जान सकता। ईश्वर और प्रकृति का आभार व्यक्त करते हुए अन्नकूट के रुप में नवधान्य पूजा स्थल पर अर्पित किया जाता।

त्यौहार का यह पक्ष आज लगभग गौण हो चुका हैं। यह लोक उत्सव भी पूंजीवाद की चपेट में है। जबकि परंपरा में कृषि उत्पादन में जिन-जिन का योगदान होता हैं उन्हें पूजा जाता था। कृषि और बैल के रिश्ते की गहराई और महत्व को दर्शाने के लिए गोवर्धन पूजा होती थी। गौ+वर्धन पूजा का संदर्भ कृष्ण से है। भगवान कृष्ण ने गौमाता के श्रेष्ठ चरागाह गोवर्धन पर्वत को उठा कर उसे रक्षित-संरक्षित किया था। उन्होंने वैदिक देवता इंद्र से अधिक महत्व प्रकृति को दिया था। यह प्रकृति का सम्मान था जिसे इंद्र सहन नहीं कर पाया। शेष कथा सब जानते हैं।

दीपावली के दूसरे दिन प्रतिप्रदा को होती है जिसमें महिलाएं गाय-गोबर एकत्रित कर गोवर्धन पूजा करती है। महिलाएं पत्र, पुष्प, प्रसाद आदि चढ़ा कर गीत गाती हैं। हमारे मोहल्ले में गोबर की खोज हुई। गोबर तो बहुत है पर गायें अब घास नहीं खाती हैं और जो खाती हैं उससे पतला और दुर्गंधयुक्त गोबर निकलता है। सो, भैंस के गोबर के गोर्वधन बना कर पूजा गया। शेष तो सभी चीजें हैं बस गाय बैल खारिज हो गये और ट्रेक्टर खड़े हैं आंगन में।

कल गोर्वधन पूजा के बाद जब सब महिलाएं पूजा कर घर चली गईं तब खाने की तलाश में भूखी गाय चढ़ाई हुई प्रसाद,पूजन सामग्री गन्ना तथा हार पुष्प खा रही थी। मैंने क्लिक किया तथा उसकी पेट पूजा को देखता रहा। जब वहां से निवृत हुई तो दो रोटी देकर कर गोवर्धन पूजा कर ली। और कर भी क्या सकता था? गौशालाएं, गोपालन का कोई विकल्प नहीं है। जैविक कृषि अपना कर गौवंश बचाना जरुरी है। इसमें गोबर गैस, कंपोस्ट, सार्वजनिक बायोगैस प्लांट या अन्य विकल्प खोजने होंगे। ऐसा कर जीरो बजट खेती कारगर की जा सकती है। यह तभी संभव है जब ऐसी नीतियां बनाई जाएं अन्यथा गाय को माता कह कर पूजा करने से बात नहीं बनेगी।

लेफ्टिनेंट पद हेतु चयनित हुए ओम द्विवेदी प्रशिक्षण हेतु ओटीए काम्पटी जाएंगे

बैतूल। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित जिले के सबसे पुराने व प्रतिष्ठित उत्कृष्ट विद्यालय में कार्यरत शिक्षक ओम द्विवेदी का चयन इंडियन आर्मी द्वारा नियंत्रित एनसीसी प्रभाग में लेफ्टिनेंट पद के लिए हुआ है। एनसीसी महानिदेशालय, भारत के विभिन्न चयनित स्कूलों व कॉलेजों में एनसीसी की उप इकाइयों संचालित कर वहां एनसीसी ऑफिसर नियुक्त करता है। जो कैडेटों के लिए वर्ष भर सामाजिक गतिविधियां व सैन्य संबंधी प्राथमिक प्रशिक्षण आयोजित कराते है। उत्कृष्ट विद्यालय में एनसीसी केयर टेकर के रूप में कार्य कर रहे ओम द्विवेदी, डीजी एनसीसी के निर्देशानुसार ग्रुप कमांडर भोपाल व 13 मप्र बटालियन के कर्नल स्तरीय एएनओ बोर्ड के साक्षात्कार में मई 2024 में सम्मिलित हुए थे। विगत दिनों ग्रुप हेडक्वार्टर भोपाल द्वारा जारी सफल 8 उम्मीदवारों की सूची में ओम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। श्री द्विवेदी आगामी 8 नवम्बर से लेफ्टिनेंट पद का आधिकारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी काम्पटी महाराष्ट्र जाएंगे। ज्ञात हो कि ओम द्विवेदी अपने स्कूली व कालेज की शिक्षा के दौरान भी एनसीसी कैडेट के रूप में अंडर ऑफिसर रहते हुए वर्ष 2004 में नई दिल्ली राजपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस की परेड में मप्र और छत्तीसगढ़ डायरेक्टरेट का प्रतिनिधित्व कर चुके है और उन्हें राष्ट्रपति कैडेट का गौरव भी प्राप्त है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार जन, इष्ट मित्रों, एनसीसी से जुड़े उनके सीनियर व जूनियर सहित शाला परिवार ने शुभकामनाएं दी है।

तीन दिन बाद मिला ताप्ती में डूबे ड्राइवर का शव

नहाते समय डूबा था, नर्मदापुरम के दल ने खोजा

बैतूल। तीन दिन पहले ताप्ती नदी में डूबे एक युवक का शव रविवार एसडीईआरएफ के दल ने पानी से निकाला है। युवक के शव को तलाशने के लिए लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा था। नर्मदापुरम से

गोताखोर भी बुलाने पड़े थे। आखिरकार कड़ी मशक्कत के बाद युवक का शव मिल पाया। जिसे झल्लार पुलिस को सौंप दिया गया है। बैतूल बाजार टीआई अंजना धुर्वे ने बताया कि पिपला गांव का युवक मौसम डोंगरे (25) तीन दिन पहले नहाते समय ताप्ती नदी में डूब गया था। दो दिन से बैतूल एसडीईआरएफ टीम उसकी तलाश कर रही थी, लेकिन युवक नहीं मिल पा रहा था। रविवार रेस्क्यू के दौरान नदी में नाव और गोताखोरों की मदद से युवक का शव बरामद किया गया। टीआई अंजना धुर्वे के मुताबिक ताप्ती नदी में कई स्थानों पर पानी से प्राकृतिक खोह जैसे बने हुए हैं। आशंका है कि युवक का शव उन्हीं में फंसा हुआ था। यह स्थान मेंढ़ा डैम और नदी के बीच है। रेस्क्यू के लिए आई टीम ने नाव से घटनास्थल पर वर्गाकार नाव घुमाकर वहां भंवर बनाई जिससे शव निकलकर बाहर आ सका। युवक ताप्ती नदी पर बन रहे डैम में वाहन चलाता था। रेस्क्यू के लिए तीस-तीस फुट गहराई में जाने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत थी। इसलिए टीम बाहर से बुलवाना पड़ा। घटनास्थल झल्लार क्षेत्र में होने के कारण मर्ग डायरी झल्लार पुलिस को सौंपी गई है।

भाई दूज पर भाई-बहन ने लगाई ताप्ती में डुबकी

बैतूल। भाई-बहन के अटूट प्रेम का त्यौहार भाई दूज जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर दीर्घायु की कामना की। भाईयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट किये। भाई दूज के अवसर पर ताप्ती में स्नान करने लोगों की बड़ी संख्या में

भीड़ उमड़ी। मुलताई में ताप्ती स्नान करने बैतूल, छिंदवाड़ा, नागपुर, भोपाल, सावनेर सहित दूर-दूर से लोग पहुंचे थे। वहीं खेड़ी सांवलीगढ़ स्थित ताप्ती पर भी सैकड़ों की संख्या में भाई-बहन ने पहुंचकर डुबकी लगाई। मान्यता है कि भाई दूज पर ताप्ती में भाई-बहन यदि साथ में डूबकी लगाते हैं तो उन्हें यम की त्रास से छुटकारा मिल जाता है। शनि का प्रकोप भी कम हो जाता है। इसी मान्यता के चलते आज मुलताई में ताप्ती स्नान करने बड़ी संख्या में भाई बहन पहुंचे। धार्मिक मान्यता के मुताबिक मां ताप्ती सूर्यपुत्री और शनि की बहन के रूप में जानी जाती हैं। यही कारण है कि जो लोग शनि से परेशान होते है उन्हें ताप्ती स्नान करने से राहत मिलती है। दूज के दिन भाई की कलाई पर बहन रक्षा सूत्र बांधती है।

बेटे ने पिता पर किया कुल्हाड़ी से हमला, मौत

बैतूल। बेटे ने अपने ही पिता पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे पिता गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से भोपाल रेफर कर दिया गया। भोपाल ले जाते समय पिता ने दम तोड़ दिया। घटना ग्राम दीपा मंडई की है। बोरदेही थाना प्रभारी राजकुमार मीना ने बताया कि युवक मनीराम घर के पीछे फोन पर किसी से बात कर रहा था। इसी दौरान युवक का पिता कमरलाल वहां पहुंचा और बेटे से पूछताछ करने लगा। पिता उससे मोबाइल पर किससे बात करने का सवाल पूछ रहा था। मनीराम इससे पिता पर भड़क गया। उसने गुस्से में कुल्हाड़ी से अपने ही पिता के सिर पर हमला कर दिया। जिसमें पिता गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रशासन की अनदेखी से आहत 23 आदिवासी परिवारों ने मांगी इच्छामृत्यु

राष्ट्रपति के नाम इच्छामृत्यु का आवेदन कलेक्टर को सौंपा

संजय द्विवेदी, बैतूल

बैतूल। जिले के ग्राम कढ़ाई के आदिवासी समाज के 23 आदिवासी परिवारों ने प्रशासन से न्याय की आस खोते हुए अब इच्छामृत्यु की मांग की है। ग्राम पंचायत कढ़ाई, जनजातीय विकासखंड और जिला बैतूल के पेसा नियम 2022 के तहत प्रभावित इन 23 आदिवासी परिवारों ने पहले ही कलेक्टर से लेकर राज्यपाल तक कई आवेदन भेजे, परंतु न्याय न मिल पाने की स्थिति में अब उन्होंने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को आवेदन देकर इच्छामृत्यु की मांग की है। ग्राम कढ़ाई के ये आदिवासी परिवार, जिनमें अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के सदस्य भी शामिल हैं, कई वर्षों से अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। वर्ष 2003 में, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई हरियाली खुशहाली योजना के तहत इन परिवारों को ग्राम सभा द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव के माध्यम से लगभग 110 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई थी। इस जमीन पर इन किसानों ने मेहनत से खेती की, कूपखननं करवाए और कृषि उपकरण खरीदे गए, जिन पर करीब 40 से 50 लाख रुपये खर्च हुए, परंतु, अब सरकार ने यह भूमि उद्योगों को देने का निर्णय लिया है, जिससे इन आदिवासी परिवारों का जीवन संकट में आ गया है।

संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी पर जताया आक्रोश .....

आवेदकों ने भारतीय संविधान के अनुच्छेदों का हवाला देते हुए बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को विशेष सुरक्षा के तहत कृषि भूमि का अधिकार प्राप्त है। लेकिन, शासन द्वारा इस अधिकार की अनदेखी कर इनकी भूमि को उद्योगों के लिए हस्तांतरित करने का प्रयास किया जा रहा है। कई बार आवेदन करने के बाद भी इनकी सुनवाई नहीं हुई, जिससे आवेदकगण गहरे आक्रोश में हैं।

ग्राम सभा द्वारा 14 अप्रैल 2024 को प्रस्ताव पारित कर इनकी भूमि पर अधिकार की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

आदिवासियों को बेदखली का डर

ग्राम सभा से लेकर जिला दंडाधिकारी और राज्यपाल तक आवेदन करने के बावजूद इनकी भूमि का अधिकार सुरक्षित नहीं हुआ है। अपने कृषि कार्य पर निर्भर इन आदिवासी परिवारों का कहना है कि बिना भूमि के इनके जीवन-यापन का कोई साधन नहीं है। हरियाली खुशहाली योजना के तहत इन भूमिहीन आदिवासियों को भूमि दी गई थी, जहां उन्होंने वर्षों से खेती कर जीवन यापन किया। पर अब प्रशासन की इस अनदेखी से आहत होकर वे इच्छामृत्यु की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थिति में उनके पास जीवित रहने का कोई और विकल्प नहीं है।

कलेक्टर बोले -शासकीय रिकॉर्ड में नहीं है, ग्रामीणों के नाम जमीन का आवंटन...

बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने दैनिक सुबह सवेरे संवाददाता से चर्चा में बताया कि जिस जमीन के लिए कढ़ाई गांव के कछुक ग्रामीण दावा कर रहे हैं, उस जमीन को ग्रामीणों को आवंटित किए जाने का कोई भी सरकारी रिकार्ड नहीं है, ना ही वहां की पंचायत में यह जमीन किसी सरकारी योजना में दिए जाने का उल्लेख है। यदि जमीन किसी भी सरकारी योजनांतर्गत दी जाती, तो उसका उल्लेख शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज तो होता ही, और इसके अलावा कोई भी जमीन पारदर्शी तरीके से पूरी जांच होने के बाद ही किसी मद में आवंटित की जा सकती है। वास्तविकता में वहां गिने-चुने तीन-चार लोग, जिनका वहां अतिक्रमण है, कतिपय एक्टिविस्ट कहे जाने वाले कछुक लोगों के बरगलाने पर विरोध कर रहे हैं, और आपको बता दें, यह लोग हाई कोर्ट भी गए थे, परंतु इन लोगो द्वारा स्वयं की भूमि होने के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण इनकी याचिका खारिज कर दी गई। और यह जमीन लगभग 3-4 साल पहले ही पारदर्शी तरीके से आवंटन प्रक्रिया कर उद्योग विभाग को आवंटित की जा चुकी है। वास्तविकता में वह खेती की भूमि ही नहीं है, और उस जमीन पर खेती भी नहीं हो रही, वह तो झाड़ वाली पत्थरीली जमीन है। ऐसा प्रतीत होता है कि ग्रामीणों को कुछ लोग बरगला रहे हैं। यदि इस जमीन पर सरकार की बड़ी योजना फलीभूत होती है तो क्षेत्र का चहुंमुखी विकास तो होगा ही और साथ ही साथ ग्रामीणों को रोजगार भी मिलेगा।

- नरेंद्र सूर्यवंशी, कलेक्टर, बैतूल

वुडन एवं फर्नीचर क्लस्टर की स्थापना होने से जिले में लगभग 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयों की होगी स्थापना, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 2000 लोगों को मिलेगा रोजगार : महाप्रबंधक रोहित डावर

महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र रोहित डावर ने दैनिक सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि जिले के बैतूल तहसील के ग्राम कढाई में मध्यप्रदेश शासन की बहुआयामी एक जिला एक उत्पाद योजनांतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग अंतर्गत राज्य क्लस्टर विकास योजना के तहत् वुडन एवं फर्नीचर क्लस्टर का निर्माण किया जा रहा है। क्लस्टर की स्थापना होने के बाद जिले में लगभग 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी, जिसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2000 लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी। उक्त क्लस्टर के निर्माण के लिए जिलास्तरीय नजूल निर्वतन समिति के द्वारा कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बैतूल को खसरा क. 187/1/2, 187/1/3 कुल 20 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई हैं। उक्त भूमि पर कुछेक अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा माननीय न्यायालय जबलपुर में रिट पिटीशन डब्ल्यूपी-26286 2024 दायर की थी, जिसमें गत 25 सितंबर को उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा अपने निर्णय द्वारा अतिक्रमणकर्ता द्वारा स्वयं की भूमि होने के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण याचिका को खारिज कर दिया। प्रकरण में जिला प्रशासन द्वारा समस्त कार्यवाही नियमानुसार की गई है, जिससे कि आगामी समय में नियमानुसार बैतूल जिले का औद्योगिक विकास किया जा सके तथा मध्यप्रदेश शासन की नीति अनुसार जिले में उद्योगों की स्थापना कर निवेश को आकर्षित किया जा सके तथा रोजगार का सृजन किया जा सकें।

बीजासनी मंदिर में धूमधाम से मनाया गया अन्नकूट महोत्सव

10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण की भोजन प्रसादी

बैतूल। दीपावली के उपरांत गोवर्धन पूजन का पर्व अन्नकूट महोत्सव के रूप में बैतूल गंज स्थित बीजासनी माता मंदिर में दिनांक 2 नवंबर शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। विधि विधान से भगवान का पूजन कर विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया गया आरती की गई, जिसके पश्चात कन्या भोज हुआ जिसके उपरांत विशाल भोजन प्रसादी का भंडारा प्रारंभ हुआ जिसमें 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। विगत कई वर्षों से यह उत्सव इस रूप में बीजासनी मंदिर में मनाया जाता है जिसमें पूरे जिले से धर्मप्रेमी शामिल होते हैं। इस भंडारे में 9 प्रकार के व्यंजन बनाए एवं परोसे गए, जिसके अनोखे स्वाद की चर्चा जनमानस में व्याप्त है। दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ भंडारा शाम 6 बजे तक चला। इधर शंकर नगर स्थित प्राचीन श्री माता मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। श्री माता मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव में भगवान को छप्पन भोग की विशेष प्रसादी अर्पित की गई, जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यंजन, मिठाइयां और पारंपरिक पकवान शामिल थे। इस अवसर पर भगवान के दरबार को विशेष साज-सज्जा के साथ छप्पन भोग से सजाया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। शाम की महाआरती के उपरांत छप्पन भोग प्रसादी का वितरण हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव से प्रसाद ग्रहण किया।

न्यायोत्सव के तहत शहर में आज निकाली जाएगी बाइक रैली

बैतूल। विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आज 4 नवंबर से 9 नवंबर तक जिले में 'न्याय उत्सव : विधिक सेवा सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ आज बाइक रैली से होगा। इस सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में विधिक जागरूकता फैलाना है। बाइक रैली में सभी प्रतिभागियों के लिए हेलमेट अनिवार्य रहेगा। विधिक सेवा सप्ताह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन होगा। जेल में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी जाएगी। 5 नवंबर को वृद्धाश्रम में जागरूकता शिविर के साथ स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन होगा, ताकि वृद्धजनों को स्वास्थ्य संबंधी सहायता मिल सके। 6 नवंबर को विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में विधिक सेवा की समझ विकसित करने के उद्देश्य से निबंध, चित्रकला, नुक्कड़ नाटक और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 7 नवंबर को बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण किया जाएगा, और बाल संप्रेषण गृह में विधिक जागरूकता शिविर लगाया जाएगा, जहां बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। 8 नवंबर को श्रमिक बस्तियों और ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित होगा। इस दौरान पैरालीगल वॉलंटियर्स और पैनल अधिवक्ता श्रमिकों और ग्रामीण जनों को विधिक सेवा संस्थाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। 9 नवंबर को विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय में विधिक जागरूकता प्रदर्शनी और मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इस जन जागरूकता कार्यक्रम में प्रशासन, पुलिस, अन्य सरकारी विभाग, एनजीओ, पैरालीगल वालेंटियर्स, पैनल अधिवक्ताओं और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मिलकर सहभागिता करेंगे। विधिक सेवा सप्ताह के इन आयोजनों से समाज के हर वर्ग में विधिक जानकारी का प्रसार कर उन्हें उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

टिकारी मंगल भवन बैतूल में होगा भव्य सहस्त्रबाहु जयंती का आयोजन

बुजुर्गों का पैर पखारकर होगा सम्मान, चिकित्सा व नेत्र जांच शिविर का होगा आयोजन

बैतूल। श्री हैहय कल्चुरी कलार समाज नगर बैतूल द्वारा भव्य सामाजिक सहस्त्रबाहु जयंती का आयोजन 8 नवंबर को मां काली मंदिर के पास टिकारी कलार मंगल भवन में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रातः 9 बजे हवन पूजन होगा 11 बजे से मंचीय कार्यक्रम में सर्वप्रथम हेमंत खंडेलवाल पूर्व सांसद एवं विधायक बैतूल के मुख्य आतिथ्य एवं दुर्गा दास उइके केन्द्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार के विशेष आतिथ्य तोरा श्रीमती बिंदु केके मालवीय महिला जिलाध्यक्ष व कार्यक्रम की अध्यक्षता तपन मालवीय द्वारा होगी।

एडवोकेट रजनीकांत मिश्रा की श्रद्धांजलि सभा आज

बैतूल। कांग्रेस सेवा दल के जिला अध्यक्ष एवं एडवोकेट अनुराग मिश्रा के पिता एडवोकेट रजनीकांत मिश्रा का निधन 18 अक्टूबर 2024 को हो गया था। स्व. मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित करने आज 4 नवंबर 2024, सोमवार को केसर बाग, कॉलेज रोड, सिविल लाइन, बैतूल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया है। दोपहर 12 बजे से होने वाले इस कार्यक्रम में परिवार, मित्र और शुभचिंतक उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित होंगे।

केंद्रीय मंत्री डीडी उइके, विधायक हेमंत खंडेलवाल सहित गणमान्य अतिथियों का हुआ भव्य स्वागत

बैतूल। माचना घाट पर रविवार को मां-माचना जन्मोत्सव समिति द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नगर की दर्जनों समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में मंच पर केंद्रीय मंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नगर, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, उपाध्यक्ष महेश राठौर, 'कौन बनेगा करोड़पति' के विजेता बंटी वाडिवा और पूर्व भाजपा अध्यक्ष बाबा मकोड़े मौजूद रहे। इन सभी का फूल-माला, शाल, श्रीफल से भव्य स्वागत किया गया। अभिनंदन के बाद विधायक हेमंत खंडेलवाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम नगर में लगातार होते रहना चाहिए। उन्होंने नगर की विभिन्न समितियों द्वारा मिले सम्मान के प्रति आभार जताते हुए कहा कि भविष्य में वे भी समिति के सदस्यों का सम्मान कराएंगे। केंद्रीय मंत्री डीडी उइके ने जन संरक्षण के क्षेत्र में सभी को काम करने की जरूरत बताई। मोहन नागर ने कहा कि हर समिति यदि 100 मीटर नदी की सफाई का संकल्प ले तो नदियां स्वच्छ रह सकती हैं। इस अवसर पर मंच पर आसीन अतिथियों ने 75 कदम समिति के प्रत्येक सदस्य को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने 75 कदम समिति को एक ड्रेस कोड सूट और चलित साउंड सिस्टम देने की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने बंटी वाडिवा को एक लैपटॉप देने की भी घोषणा की। नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर ने माचना घाट पर एक स्थाई मंच की स्थापना की घोषणा की, जिससे भविष्य में ऐसे आयोजनों को स्थायित्व मिल सके। मां-माचना जन्मोत्सव समिति के संयोजक आनंद प्रजापति ने समारोह में शामिल सभी लोगों का धन्यवाद व्यक्त किया। नरेश लहरपुरे ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

माचना घाट पर आयोजित हुआ दीपावली मिलन समारोह 121 फीट की चुनरी से होगा मां माचना का श्रृंगार, बैठक संपन्न

बैतूल। माचना जयंती धूमधाम से मनाने की रूपरेखा को लेकर मां माचना सेवा समिति की बैठक संपन्न हुई। समिति के अध्यक्ष बीआर खंडागरे ने बताया कि समिति और मातृ शक्ति की महिलाओं के संयुक्त तत्वावधान में जयंती विगत 15 वर्षो से निरंतर मनाई जाती रही है। उन्होने बताया कि जिले की जीवन दायनी मां माचना उत्सव 15 नवम्बर शुक्रवार को शाम 4 बजे दैय्यत बाबा घाट बडोरा पर धूमधाम से मनाई जाएगी। जिसमें 121 फिट की चुनरी से श्रृंगार किया जाएगा और दीपदान किया जाएगा। जयंती मनाने का उद्देश्य लोगों को माचना के संरक्षण, स्वच्छता और जागरूक करना है। समिति सचिव सरिता राठौर ने सभी से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

रेलवे स्टेशन से गिरकर घायल हुए मजदूर से मिले मंत्री

इलाज करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया, मजदूर को दी आर्थिक मदद

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर काम करने के दौरान गिरकर घायल हुए मजदूर से शनिवार रात ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मुलाकात की।

शहर के उपनगर में घासमंडी के रहने वाले छोटू जाटव के पेट, सीने में सरिए घुस गए थे। दो सरिए पेट में घुस गए थे, तो एक सरिया सीने के आर-पार हो गया था। मजदूर जेएएच में भर्ती है। मंत्री ने हाल चाल जाना, साथ ही डॉक्टरों को सम्मानित किया।

मंत्री ने घायल को दी आर्थिक सहायता

ऊर्जा मंत्री शनिवार रात जयारोग्य अस्पताल पहुंचे। छोटू जाटव का हालचाल जाना। डॉक्टरों द्वारा छोटू जाटव का बेहतर इलाज करने के लिए सम्मानित किया। साथ ही छोटू जाटव के परिवार को 40,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। ऊर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ.

मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से छोटू के इलाज की बेहतर व्यवस्था के लिए चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने छोटू के परिजन को भरोसा दिलाया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो छोटू के बेहतर इलाज के लिए दिल्ली में हर संभव व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

ऊर्जा मंत्री ने किया डॉक्टरों का सम्मान

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने छोटू जाटव की जटिल सर्जरी करने वाले चिकित्सक डॉ. अंजली जलज, डॉ. हिमांशु चंदेल, डॉ. जितेंद्र अग्रवाल और गजराराजा मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ तथा अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना का शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

पिपरिया के मटकुली में भरा मढ़ई मेला

ऊंची ढाल लेकर 40 गांव के आदिवासी हुए शामिल, कुलदेवी गांगो माता का पूजन किया

पिपरिया (नप्र)। पिपरिया के मटकुली बाजार में भाईदूज की शाम मढ़ई मेले का आयोजन किया गया। इसमें 40 गांव से लोग परिवार सहित शामिल हुए।

पारंपरिक ऊंची ढाल के साथ नृत्य करता आदिवासी समाज मेला मैदान पहुंचा। पूर्व विधायक हरिशंकर जायसवाल, भाजपा नेता नवनीत सिंह नागपाल, सरपंच सहित जनप्रतिनिधि मेले में उपस्थित रहे। दोपहर बाद से ही गांवों से ऊंची-ऊंची ढाल लेकर ग्रामीण भजन गाते नृत्य करते मटकुली पहुंचने लगे। मटकुली बाजार में अनेक प्रकार की खान-पान सहित अन्य दुकानें, झूले सजे थे। ग्रामीणों ने मेले का लुत्फ उठाया। मेले में भाईदूज पर कुलदेवी गांगो माता का पूजन किया गया। मटकुली निवासी पप्पू खान, संजय दुबे ने बताया दो दिन से मेले की तैयारी चल रही थी। छिंदवाड़ा जिले से भी लोग आए।

श्री सांवरिया सेठ मंदिर में श्री मार्कंडेय महापुराण का शुभारंभ हुआ, निकली विशाल शोभायात्रा

धार। श्री सांवरिया सेठ 18 महापुराण समिति के तत्वाधान में आयोजित होने वाली महापुराण में सप्तम महापुराण के रूप में श्री मार्कंडेय महापुराण का आरंभ आज हुआ मार्कंडेय महापुराण में आज प्रात: 10 बजे श्री सांवरिया सेठ मंदिर धार से विशाल शोभायात्रा आरंभ हुई जो त्रिमूर्ति नगर में भ्रमण करती हुई निकली।

सांवरिया सेठ मंदिर से आरंभ हुई यात्रा में महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण किए चल रही थी वही पुरुष सफेद कुर्ता पजामा में गले में पीला दुपट्टा धारण कर मधुर भजनों की धुन पर नाचते गाते हुए चल रहे थे।

कथा का आरंभ कथा वाचक पंडित रमाकांत व्यास ने श्री मार्कंडेय महापुराण के संबंध में महापुराण के महत्व को प्रकट किया। कथा प्रतिदिन दो पर 2 बजे से 5 बजे तक होगी। 18 महापुराण समिति अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी, प्रमुख अशोक मनोहर जोशी, संतोष पांडे, जगदीश जोशी, जेपी सिंह, गोपालदास गुप्ता रितेष शर्मा ,डाक्टर सशेष राजपुरोहित ने नगर की धर्म प्रेमी जनता से निवेदन किया की सावरीया सेठ में चल रही कथा श्रवण करने हेतु सपरिवार अवश्य पधारकर धर्मलाभ प्राप्त करें। आज की कथा में पंडित रमाकांत व्यास ने श्री मार्कंडेय महापुराण के संबंध में कथा सुनने के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी भाई दूज की शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाई-बहन के मधुर संबंधों को प्रगाढ़ करने वाले पावन पर्व भाई दूज की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि सनातन संस्कृति में समाहित प्रेम, समर्पण एवं मंगल-कामना का यह पावन अवसर संबंधों को अमरता प्रदान करता है।

मेरी यही प्रार्थना है कि भाई की प्रगति और लंबी आयु के लिए कामना करने वाली बहनों का आशीर्वाद सदैव बना रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान चित्रगुप्त के पूजन-दिवस की शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परमपिता ब्रह्मा जी के दिव्य अंश, लेखनी के देवता, मानव कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले, देवताओं के लेखपाल भगवान चित्रगुप्त जी महाराज के 'पूजन-दिवस' की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि भगवान चित्रगुप्त जी की कृपा सभी पर बनी रहे, सभी को बुद्धि, विद्या एवं लेखन का आशीर्वाद प्राप्त हो और प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि का वास हो, यही कामना है।

दीपावली उत्सव के साथ मनाया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

सुबह सवेरे सोहागपुर

जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्थाओं,निर्मल विकास सेवा समिति एवं नवरंग कला मंडल के तत्वावधान में दीपावली उत्सव के साथ मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। उक्त आयोजन जिला कार्यालय एवं जन अभियान परिषद् विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले के निर्देशानुसार संम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आदिवासी ग्राम कुकरा, स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहागपुर में प्रसूति वार्ड एवं रेल्वे स्टेशन पर परिवारजनों को मिठाई एवं फलों का वितरण किया गया। इन अवसरों पर गजेंद्र ठाकुर, संदेश मिश्रा, कमल किरार अमित मालवीय विनीत सराठे, कन्हैयालाल उइके, मनोज टेकाम, पंकज सिलावट, संजु सिलावट, सुनील,शोनु, नेतराम, राधेश्याम, कल्लू, चेनसिंह मोर्य, नरेंद्र सिंह, सचिन विश्कवर्मा, सहित कई ग्रामवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दतिया के मां रतनगढ़ माता मंदिर मेले में 30 लाख से अधिक श्रृद्धालुओं ने किए दर्शन

भोपाल (नप्र)। दतिया जिले की सेवढ़ा तहसील में स्थापित मां रतनगढ़ माता मंदिर मेले में 30 लाख से अधिक श्रृद्धालुओं ने मां रतनगढ़ माता मंदिर एवं कुंअर बाबा मंदिर के दर्शन किए। जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा श्रृद्धालुओं के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। श्रृद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने श्रृद्धा-पूर्ण तरीके से दर्शन किये।कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक तथा जिला प्रशासन की टीमों एवं अन्य विभागों ने पूर्ण रूप से अपनी-अपनी पूरी ज़िम्मेदारियों का निर्वाह किया है। उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष लगने वाले इस मेले का आयोजन इस बार 1 से 3 नवम्बर तक किया गया।कलेक्टर श्री संदीप माकिन एवं पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा ने मेला प्रबंध में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों और जिले के नागरिकों का आभार व्यक्त किया है।

युवा, नारी, किसान और गरीब को सम्पन्न बनाना ही है लक्ष्य : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को पूरा करने की पहल करने वाला म.प्र. पहला राज्य

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिये एक जनवरी से 4 नये मिशन प्रारंभ करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दशकों से उपेक्षा के शिकार रहे समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन को बदलने का संकल्प लिया है। हमारी सरकार युवा, नारी, किसान और गरीब वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण के जनवरी-2025 में मिशन मोड में प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं, नारी, किसानों और गरीबों के अभावग्रस्त जीवन के आर्थिक उन्नयन के साथ उनमें आत्म-विश्वास भरने और उनके जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प लिया है।

मध्यप्रदेश सरकार इन वर्गों के आर्थिक विकास के लिये ठोस पहल कर रही है। प्रदेश में एक जनवरी 2025 से 4 मिशन- युवा शक्ति मिशन, गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को पूरा करने की पहल करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है।

मुख्यमंत्री ने मीडिया के साथियों के साथ मनाया दीपोत्सव

मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन समारोह

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकार बंधुओं से निवास परिसर में भेंट कर उन्हें दीपावली पर्व की मंगलकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के संपादक, संवाददाता, रिपोर्टर आदि को दीपावली मिलन के लिए निवास पर आमंत्रित कर मंगलकामनाओं का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीपावली मिलन कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस बैंड द्वारा सुमधुर धुनों की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस बैण्ड के सभी सदस्यों को 11-11 हजार रुपये देने की घोषणा की। साथ ही प्रदेश में विकास, जन-कल्याणकारी योजनाओं, पर्यटन और औद्योगिक क्षेत्र में हो रही प्रगति पर केन्द्रित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।पारम्परिक रूप से सुसज्जित कार्यक्रम स्थल पर, राज्य शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आमंत्रितों को बधाई देते हुए कहा कि सबके जीवन में शुभता, समृद्धि और सौभाग्य के दिव्य दीप सदैव प्रज्ज्वलित रहें, यही कामना है। पत्रकार बंधुओं ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिलकर दीपोत्सव की शुभकामनाएँ दीं।

गति, लय और आपसी सामंजस्य से दी गई समूह नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों को मिली सराहना

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर धार के भोज उद्यान में हुआ समारोह

धार । मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर धार के भोज उद्यान में समारोह संपन्न हुआ। स्थानीय नूपुर कला केंद्र के कलाकारों सहित भोज कन्या शाला और उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं ने एकल और समूह नृत्य प्रस्तुत किए। इन मनमोहक प्रस्तुतियों को दर्शकों की खूब सराहना मिली। विशेषकर समूह नृत्यों की गति, लय और आपसी सामंजस्य ने दर्शकों का दिल जीता। नूपुर कला केंद्र की सुरभि सोलंकी का एकल नृत्य नटराज स्तुति 'नमानी नमामी नटराजा सुंदरम्' मॉडल स्कूल की पावनी पांडे 'मुरली की धुन सुन राधिके' और भोज कन्या शाला की सुलोचना भाभर ने 'चौमासो लाग्यो रे' बोल पर दी गई प्रस्तुति देखने योग्य रही।

नूपुर कला केंद्र के कलाकारों द्वारा किए समूह नृत्य 'अलबेला सजन आयो री' और मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों का बखान करता समूह नृत्य 'चहक उठेगा दिल जो देखे दिल हिंदुस्तान का' उसके बाद 'ऋतु चक्र' पर आधारित समूह नृत्य को दर्शकों ने खूब सराहा। उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं का समूह नृत्य 'प्यारो मध्यप्रदेश म्हारो न्यारो मध्यप्रदेश' को भी खूब पसंद किया गया। नर्तकों ने अपने अभिनय और नृत्य कौशल से दर्शकों को आकर्षित किया।पारंपरिक वस्त्रों और आभूषणों का उपयोग करके सभी ने नृत्य की सुंदरता को बढ़ाया। नृत्यों की विविधता और रचनात्मकता दर्शकों को आकर्षित करती रही। आरंभ में राष्ट्र गान हुआ। मध्यप्रदेश गान की प्रस्तुति शिवम् मालवीय और साथियों द्वारा दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुई विधायक नीना वर्मा ने स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि ज्ञान,संसाधनों,शक्ति का भंडार मध्यप्रदेश लगातार विकास के क्षेत्र में नए नए कीर्तिमान बनायें हैं। इस दौरान धार भी शिक्षा स्वास्थ अधोसंरचना आदि के मामले में आगे बढ़ा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में और बेहतर ज़िले के रूप में धार का नाम होगा। मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं के लिए पूरे देश में एक अनूठा स्थान रखता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने राज्य की इस समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में योगदान दें।यहाँ कलेक्टर प्रियंक मिश्रा,ज़िला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी, एडीएम अश्विनी कुमार रावत सहित नपा अध्यक्ष नेहा बोडाने और अन्य जनप्रतिनिधि गण और आम जन मौजूद थे।

धूमधाम से मना भाई दूज पर्व

बहनों ने अपने भाई के सिर पर तिलक लगाकर कराया भोजन ; लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की

भोपाल (नप्र)। पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व के आखिरी दिन रविवार को भाई दूज का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों ने अपने भाई के सिर पर तिलक लगाकर, गाय के गोबर से बने भाईदूज का पूजन विधि विधान से किया और भाई को भोजन कराया। वहीं ईश्वर से भाई की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। उधर भाइयों ने भी अपनी बहन के पैर छू कर उनसे आशीर्वाद लिया और उनकी जीवन भर रक्षा करने का वचन दिया। यहां छोटी बहनों से लेकर बुजुर्ग बहनों के साथ भाइयों ने विधि विधान से पूजन किया।

इस बार दीपावली के तीसरे दिन मनी भाई दूज- भाई दूज का पर्व इस वर्ष दीपावली पर्व के तीसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह त्योहार सूर्य पुत्र यम और यमुना से जुड़ा है। इस त्योहार को भैया दूज, भाई टीका, यम द्वितीया, भ्रातृ द्वितीया आदि नामों से जाना जाता है।

यह है पर्व से जुड़ी मान्यता-मान्यता के अनुसार एक बार यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने धरती पर आए। उस दिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी। भाई को आया देख यमुना ने उन्हें भोजन कराया और तिलक लगाकर आदर सत्कार किया। बहन का प्रेम देखकर यमराज ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस तिथि पर यमुना में स्नान करके यम का पूजन करेगा, मृत्यु के बाद उसे यमलोक की यातना नहीं सहनी पड़ेगी। तभी से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को यमुना नदी में स्नान कर यमराज की पूजा करने का विशेष महत्व है। स्कंद पुराण में लिखा है कि यमराज को प्रसन्न कर,पूजन करने वाले की हर कामना पूरी होती है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अंजलि कुमारी सिंह को रजत पदक जीतने पर मंत्री श्री सारंग ने दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी की उभरती हुई खिलाड़ी अंजलि कुमारी सिंह ने अमेरिका के कोलोराडो में आयोजित -19 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रौशन किया है। सेमीफाइनल में अंजलि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओकायामा सकुरा को 5:0 के अंतर से मात दी, जिससे उन्होंने फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में अंजलि का सामना इंग्लैंड की तियाह-माई एयटन से हुआ। इस कड़े मुकाबले में इंग्लैंड की खिलाड़ी के खिलाफ संघर्ष के बावजूद अंजलि को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अंजलि की इस ऐतिहासिक सफलता पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भव्यता के साथ मनाया जायेगा लोक आस्था का महापर्व : मंत्री श्री सारंग

तैयारियों का निरीक्षण किया, छठ पूजन कुंडों की सुंदरता बढ़ाने लगाये जायेंगे फ्लोटिंग फाउंटेन

भोपाल (नप्र)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर बने छठ पूजन सूर्य कुंडों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने अन्ना नगर शाखा ग्राउंड, सुभाष नगर दुर्गा मंदिर, एकतापुरी पार्क, राजेंद्र नगर, संजीव नगर पर तैयार किये जा रहे छठ पूजन स्थलों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने जल कुंडों की साफ-सफाई, स्वच्छता, शुद्ध जल व पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था एवं छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने छठ कुंडों की सुंदरता बढ़ाने फ्लोटिंग फाउंटेन लगाने की भी घोषणा की। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम, राजस्व, विद्युत एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भव्यता के साथ होगी छठ पूजा

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा में प्रत्येक वर्ष छठ का त्यौहार बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। नरेला विधानसभा में छठ पूजा के लिये सूर्य कुण्डों का निर्माण कर घाटों का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पूजन के दौरान व्रतियों के लिये छठ घाटों पर सुविधा एवं सुरक्षा का ध्यान रखते हुए व्यवस्था की जा रही है, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। पूरी तैयारी के बाद पूजा स्थलों पर भव्यता के साथ छठ पूजा की जायेगी।

छठ पूजन कुंडों में लगाये जायेंगे फ्लोटिंग फाउंटेन

मंत्री श्री सारंग ने छठ कुंडों के सौंदर्यीकरण के लिये फ्लोटिंग फाउंटेन लगाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि छठ कुंडों के उन्नयन व सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से फ्लोटिंग फाउंटेन लगाये जायेंगे। छठ पूजन कुंडों का सदुपयोग करते हुए उनमें फ्लोटिंग फाउंटेन लगाये जायेंगे। यह फाउंटेन पूजन के समय कुंड से निकाल लिये जायेंगे। वहीं पूजन के बाद उन्हें वापस लगा दिया जायेगा।

महिलाओं की सुविधा के लिये लगाये जायेंगे अस्थाई चेंजिंग रूम

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि छठ पूजा के अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलायें पूजन में शामिल होती हैं। ऐसे में महिलाओं की सुविधा के लिये छठ घाटों के समीप अस्थाई चैंजिंग रूम लगाये जायेंगे। साथ ही नगर निगम द्वारा चलित शौचालय की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के लिये क्षेत्र के सूर्य कुंडों की मरम्मत एवं सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वहीं व्रतियों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसका विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

छठ पूजन के लिये बनाये गये हैं सूर्य कुण्ड

उल्लेखनीय है कि नरेला विधानसभा में हर वर्ष छठ मैया और भगवान सूर्य देव की उपासना का महापर्व 'छठ पूजा' बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। बड़ी संख्या में भोजपुरी समाज के नागरिक नरेला विधानसभा में निवासरत है, जिससे इस पर्व का महत्व और भी बढ़ जाता है। नागरिकों की आस्था को देखते हुए क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजन के लिये सूर्य कुण्डों का निर्माण करवाया गया है। जहाँ पहुँचकर क्षेत्र की महिलाएं पूरी आस्था, भक्ति व निष्ठा भाव से भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर अपना व्रत पूर्ण करती हैं।

रातापानी सेंचुरी में बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ा, 7 बाघिनों के साथ 22 शावक

सीएस की बैठक को 24 दिन पूरे, फिर भी टाइगर रिजर्व का इंतजार..

भोपाल (नप्र)। भोपाल से 40 किमी दूर रातापानी सेंचुरी में बाघों का कुनबा तेजी बढ़ रहा है। अभी यहां 56 बाघ हैं। इनमें 7 बाघिनों के साथ 22 शावक भी हैं। यह देश की इकलौती सेंचुरी बन गई है, जहां पर 28 टाइगर रिजर्व से अधिक बाघ हैं। यहां 6 बाघिन ने तीन-तीन शावकों जबकि एक बाघिन ने 4 शावकों को जन्म दिया था।

रातापानी सेंचुरी अधीक्षक सुनील भारद्वाज ने बताया कि सेंचुरी बाघों के भोजन मैनेजमेंट के लिए ग्रासलैंड तैयार किया जा रहा है। हालांकि, अब भी रातापानी को टाइगर रिजर्व घोषित होने का इंतजार है। सीएस अनुराग जैन के साथ 24 दिन पहले बैठक में सभी विभाग इस पर सहमति जता चुके हैं, पर नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ।

बड़ी तैयारी

763.812 वर्ग किमी में बाघों के कोर एरिया बनेगा
कुल गांव - 32
राजस्व गांव - 29
वन ग्राम - 3

विस्थापित करने वाले गांव की संख्या-9

विस्थापित हो चुका गांव- दांतखोह ।
शिफ्ट किए जा रहे नीलगढ़ व धुनवानी।
शिफ्टिंग प्रक्रिया शुरू-जैतपुर, सजोली।

2 साल में सेंचुरी में 70 बाघ होंगे

वर्ष 2022 की गणना में सेंचुरी के अंदर 56 बाघों को रिकॉर्ड किया गया। जबकि रातापानी लैंड स्केप में 96 बाघों की पुष्टि हुई। अब अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2026 में होने वाली गणना में सेंचुरी में 70 से अधिक बाघ होंगे और लैंड स्केप में 150 तक हो सकते हैं।

मप्र में 11 नेशनल पार्क हैं। इनमें बाघों की संख्या 785 है। 220 नए शावकों ने इसी साल जन्म लिया। देशभर में 55 टाइगर रिजर्व हैं, इनमें बाघों की संख्या 3682 है।

80 से अधिक गुफाएं... जिनकी वजह से बढ़ रहा है कुनबा..

तत्कालीन पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ जितेंद्र कुमार अग्रवाल ने सर्वे कराया था। इससे पता लगा था कि जंगल में 80 से अधिक गुफाएं हैं। यहीं बाघिनें शावकों को जन्म देती हैं। इन्हीं गुफाओं की वजह से रातापानी में बाघों की संख्या बढ़ी है।कैमरे से निगरानी, वन गांवों की हो रही शिफ्टिंग रातापानी सेंचुरी में शावकों की निगरानी के लिए बड़ी संख्या में कैमरे लगाए गए हैं। लॉन्ग टर्म एक्शन प्लान पर भी काम शुरू हो गया है। वन ग्रामों की शिफ्टिंग की प्रक्रिया भी चल रही है। दो गांवों को तामोट के पास जबलपुर हाइवे के किनारे बसाया जा रहा है,ताकि विस्थापितों को रोजगार भी मिल सके।
- राजेश खरे सीसीएफ, भोपाल फॉरेस्ट सर्किल

6 महीने की मासूम का किडनेप, 4 घंटे में छुड़ाया

4 किडनेपरों ने 14 लाख की फिरौती मांगी ; दादा की गोद से छीनकर हो गए थे फरार

गुना (नप्र)। गुना के आरोन की सरस्वती कॉलोनी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शाम 6 बजे 6 महीने की एक मासूम बच्ची को उसके दादा की गोद से बाइक सवार चार लोग छीनकर फरार हो गए। इसके कुछ देर बाद ही 14 लाख की फिरौती की डिमांड की गई। पुलिस के तत्काल सक्रिय होने से एक मध्यस्थ के जरिए अपहरणकर्ताओं ने बच्ची को वापस लौटा दिया। लगभग चार घंटे में बच्ची वापस मिली। इस दौरान परिवार वालों की सांसें थमी रहीं। घर की महिलाएं बेसुध सी रहीं।

पुलिस के अनुसार जब यह वारदात हुई उस समय सरस्वती कॉलोनी में बलराम रघुवंशी अपनी नातिन प्रियांशी रघुवंशी को गोद में लेकर घर के पास ही टहल रहे थे। जांच में यह सामने आया कि जो लोग बच्ची को लेकर गए, वह उसके पिता के खेत पर बटिया (ठेके) से काम करते थे। दोनों पक्षों का पैसे को लेकर कुछ विवाद था। सभी चारों आरोपी वारदात के बाद से ही फरार है। पुलिस उनकी तलाश में जगह-जगह दबिश दे रही है।

दादा बोले-सभी आरोपियों को पहचानते थे-प्रियांशी के दादा बलराम रघुवंशी का कहना है कि मैं बच्ची को लेकर घूम रहा था। तभी दो बाइक से कुछ लोग आए और मुझसे पूछा कि ये अजब सिंह का घर है क्या? मैंने कहा नहीं, तो बोले कि बच्ची छीन लो इससे। सभी मुझसे झूम गए और बच्ची छुड़ाकर के गए। हम पहचानते थे उन्हें। मेरी पत्नी भी आ गईं, वो भी पहचानती थीं उन्हें।

तत्काल सक्रिय हुई पुलिस-घटना की सूचना मिलते ही आरोन सहित जिले की पुलिस सक्रिय हुई। एसपी संजीव कुमार सिंहा ने तत्काल टीमें गठित कीं। इसके अलावा राघौगढ़ सहित आसपास के थानों की पुलिस को भी सक्रिय किया गया। आरोन पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले, तो दो बाइक पर चार लोग दिख गए। एक बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति के हाथ में बच्ची भी दिख गई। कैमरे खंगालते हुए पुलिस को पता चला कि बच्ची को आरोन से राघौगढ़ तरफ ले गए हैं। पुलिस उनकी तलाश में अलग अलग दिशाओं में रवाना हुई।

पीथमपुर में बनेंगे वंदे भारत स्लीपर कोच और इलेक्ट्रिक बसें

पिनेकल मोबिलिटी का म.प्र.में 600 करोड़ का इन्वेस्टमेंट प्लान, 1000 को मिलेगा रोजगार

भोपाल (नप्र)। एमपी के पीथमपुर में पिनेकल मोबिलिटी कंपनी 600 करोड़ रुपए इंन्वेस्ट करेगी। शुरुआत में 500 लोगों को रोजगार दिया जाएगा। जैसे ही पूरी क्षमता के साथ वर्किंग शुरू होगी, 500 लोगों को और रोजगार मिलेगा। यानी एक हजार लोगों को कंपनी रोजगार देगी।

48 एकड़ में बनने वाले इस प्लांट का 23 अक्टूबर 2024 को सीएम डॉ. मोहन यादव वर्चुअली शुभारंभ कर चुके हैं। जिसमें इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों का निर्माण होगा। यह प्लांट 2 साल में तैयार होगा। जिसके बाद इसमें इंडस्ट्रियल ऑपरेशन शुरू हो जाएंगे।

खास यह है कि पिनेकल इस प्लांट के साथ ही एक अन्य प्लांट भी सेक्टर 7 में बना रही है, जहां पर वंदे भारत ट्रेन के स्लीपर कोच को तैयार किया जाएगा। बता दें, पिनेकल कंपनी के इन दो नए प्लांट्स के अलावा पीथमपुर में पहले से ही तीन प्लांट वर्किंग में हैं।

सेक्टर 7 में वंदे भारत के स्लीपर कोच बनाने का प्लांट-वंदे भारत के स्लीपर कोच भी इंदौर के पीथमपुर स्थित सेक्टर 7 में बनाए जाएंगे। कंपनी ने इसके लिए प्लांट का काम शुरू कर दिया है। यह प्लांट सेक्टर 7 में आधे से ज्यादा बन भी गया है। यह प्लांट 12 एकड़ में बनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पिनेकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड

कंपनी का यह प्लांट मार्च 2025 में काम करना शुरू कर देगा। इस प्लांट से सिर्फ रेलवे की सीटें और एंबुलेंस तैयार की जाएंगी। इस प्लांट की कैपेसिटी लगभग 15 हजार सीट प्रति वर्ष बनाने की रहेगी। यहां पर वंदे भारत के स्लीपर कोच बनाने के साथ ही चेयर कार, सीटें और एंबुलेंस बनाने का काम भी होगा।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

निगम-पंचायत चुनाव के बाद मंत्रिमंडल में सर्जरी संभव

भाजपा के अंदरूनी हलकों में चर्चा है कि नगर-निगम और पालिकाओं के साथ पंचायत चुनाव निपटने के बाद विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल होगा। कहा जा रहा है कि कम से कम छह नए चेहरे आ सकते हैं। नए चेहरों में पुराने विधायकों की लाटरी लगने की खबर है। साय मंत्रिमंडल में अभी दो मंत्री पद खाली हैं। छह नए चेहरे लेने की स्थिति में चार की छुट्टी तय मानी जा रही है। हरियाणा का फार्मूला लागू किया गया तो यहां भी मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री बन सकते हैं। हरियाणा में विधानसभा की 90 सीटें हैं, फिर भी मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री हैं। छत्तीसगढ़ में 90 सीटों पर मुख्यमंत्री समेत 13 मंत्री हैं। संभावना है कि निगम-पंचायत चुनाव दिसंबर-जनवरी में हो जाएगा। तब तक साय सरकार को एक साल पूरे भी हो जाएंगे। कहा जा रहा भाजपा नए विधायकों को मंत्री बनाकर साफ़-सुथरी सरकार की छवि पेश करना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। तहसीलदारों के तबादलों के मामले में हो या फिर दवा कंपनियों को भुगतान को लेकर सरकार पर छींटें पड़ गए। पहली बार के कुछ मंत्रियों के परफॉर्मेंस को लेकर भी कोई अच्छी रिपोर्ट नहीं आ रही है। मंत्री बनने वालों में अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, अजय चंद्राकर, पुरंदर मिश्रा, गजेंद्र यादव के नाम की चर्चा है।

मंत्रियों के कामकाज चर्चा में

छत्तीसगढ़ सरकार के कम से कम आधे दर्जन मंत्रियों के कामकाज चर्चा में हैं। कुछ मंत्री पिछली भाजपा सरकार में सुर्ख़ियों में रहे स्टाफ से अपने को दूर नहीं रख पा रहे हैं, तो कुछ एक-दो लोगों के जाल में फंस गए हैं। तेजतर्रार माने जाने वाले एक मंत्री जी की एक व्यक्ति पर निर्भरता आजकल चर्चा में है। ये व्यक्ति मंत्री जी के विभागों पर पूरी तरह हावी हो गए हैं। कहते हैं मंत्रीगण मेरिट को छोड़कर हर काम अपने हिसाब से लोगों को देना चाहते हैं, यहां तक राज्योत्सव के छोटे-छोटे स्टाल भी। मंत्रीगण के रवैये से अफसरों ने हथियार डाल दिया है और विभागों के कामकाज में कई अफसरों ने रूचि लेना बंद कर दिया है। बताते हैं कुछ मंत्रियों और उनके स्टाफ के कामकाज की चर्चा दिल्ली दरबार में भी होने लगी है।

कलेक्टरों में हेरफेर की अटकलें

चर्चा है कि अगले कुछ हफ्तों में कई जिलों के कलेक्टर इधर-उधर हो सकते हैं। इसमें सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के कलेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। भूपेश बघेल के शासनकाल में जिले में कलेक्टर के तौर पर पदस्थ एक साहब विष्णुदेव साय के राज में भी करीब 11 महीने काट चुके हैं। कांग्रेस शासन में पदस्थ कलेक्टरों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इधर-उधर किया था। अब उनको भी फील्ड से हटाए जाने की ख़बरें उड़ रही है। कहा जा रहा है कि मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालय में पदस्थ कुछ अफसरों को जिलों में भेजा जा सकता है। कहा जा रहा है कि कुछ पुराने अफसर भी कलेक्टर बनने की जुगत में हैं।

नि:शक्तजन कमिश्नर को लेकर पेंच

कहते हैं बड़ी अदालत की फरमान पर राज्य सरकार ने नि:शक्तजन आयुक्त किसी स्वतंत्र व्यक्ति को बनाने का कानून तो ले आई है, पर प्रमुख सचिव स्तर के अफसर को ही बनाए जाने के प्रावधान से पेंच फंस गया है। कहा जा रहा है कि अभी छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड अफसरों में अधिकांश सचिव स्तर के हैं। प्रमुख सचिव स्तर से रिटायर्ड अफसर 65 साल की उम्र सीमा को पार कर चुके हैं। सचिव स्तर के पद से रिटायर कुछ आईएएस नि:शक्तजन आयुक्त के लिए हांथ-पांव चलाया, पर मामला रैंक पर अटक गया। अभी नि:शक्तजन आयुक्त समाज कल्याण विभाग के सचिव ही हैं। नि:शक्तजन कमिश्नर को कोर्ट की शक्तियां होंगी।

आईएएस का पद से मोह

कहते हैं छत्तीसगढ़ के एक आईएएस ने तबादले के एक हफ्ते बाद भी नए अफसर को चार्ज नहीं दिया है। बताते हैं कि स्वास्थ्य महकमा का इकाई संभाल रहे अफसर ने छुट्टी ले ली है। खबर है कि आईएएस ने पहले दो दिन की छुट्टी ली, फिर बढ़ाते गए। अब अगले हफ्ते छुट्टी से लौटने की संभावना है। नए साहब चार्ज लेने के लिए उनके आने का इंतजार कर रहे हैं। बताया जाता है जाने वाले अफसर आने वाले अफसर से सीनियर हैं, इसलिए भी मामला फंसा है। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े संस्थान से स्थानन्तरित आईएएस पिछले कुछ दिनों से सुर्ख़ियों में थे। कर्मचारियों ने खुले आम उनका विरोध किया था। एक आईएएस से उनकी नोंकझोंक भी हो गई थी।

सुर्ख़ियों में सरगुजा विश्वविद्यालय के कुलपति

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के कुलपति डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह इन दिनों सुर्ख़ियों में हैं। डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह के चर्चा में रहने का बड़ा कारण एक स्नातक कालेज के प्राध्यापक के पद से सीधे कुलपति के पद पर बैठना है। डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह की नियुक्ति सरगुजा विश्वविद्यालय में कुलपति के पद पर धारा 52 के तहत हुई है, जिसमें सारी शक्तियां कुलपति के पास है। फिलहाल कार्यपरिषद अस्तित्व में नहीं है। आमतौर पर धारा 52 में कुलपति का प्रभार संभागीय आयुक्त या विश्वविद्यालय के किसी डीन को सौंपने की परंपरा रही है। डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह एक साल के लिए सरगुजा विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए गए हैं। कहते हैं कई सीनियर प्राध्यापक अब डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह के मातहत हो गए हैं। डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह सांसद चिंतामणि महाराज की पसंद बताए जाते हैं।

एक आदेश ऐसा भी

छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल का एक आदेश बड़ी चर्चा में है। इस आदेश में अनुमोदन देने और आदेश जारी करने वाले अधिकारी का पद नाम एक ही है। कहते हैं इस आदेश के माध्यम से अपनी सीमा को लांघकर काम करने वाले एक अधिकारी को निलंबित किया गया है। अब सवाल उठ रहा है कि निलंबन आदेश जारी करने से पहले अधिकारी को अपने से अनुमोदन क्यों लेना पड़ा? जिस अधिकारी को निलंबित किया गया है, सालों से वहीं पदस्थ थे।

ग्वालियर में संघ की बैठक के मायने

कहते हैं कि दीपावली के मौके पर ग्वालियर में आरएसएस की एक महत्वपूर्ण बैठक चल रही है। इस बैठक में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के पूर्णकालिक प्रचारक खासतौर से उपस्थित हैं। बताते हैं यह इस बैठक में भाग लेने के लिए प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय रायपुर से ग्वालियर गए हैं, तो राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष दिल्ली से पहुंचे हैं। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा होने की बात कही जा रही है, साथ में कुछ रणनीतिक फैसले भी होने वाले हैं।